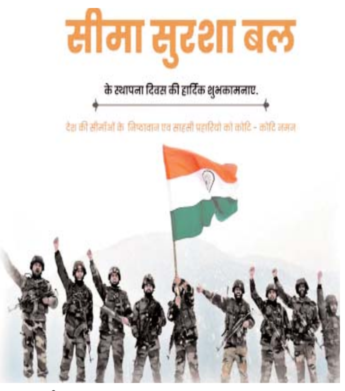

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

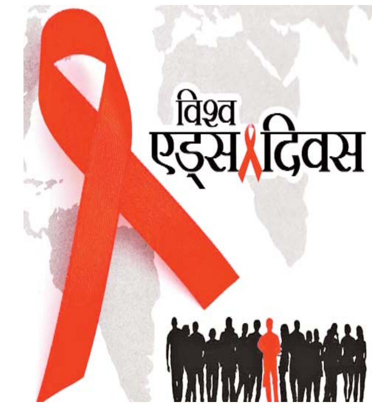

वर्ष 53/ अंक 116/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 01 दिसंबर 2023 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

जलवायु सम्मेलन काप 28 में हिस्सा लेने दुबई पहुंचे प्रधानमंत्री

जलवायु परिवर्तन से लड़ाई में ग्लोबल साउथ के हितों से समझौता नहीं होना चाहिए: मोदी

दुबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जलवायु सम्मेलन काप 28 में हिस्सा लेने दुबई पहुंच गए हैं। दुबई में वहां के स्थानीय अखबार एतिहाद से बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मजबूत वैश्विक सहयोग की जरूरत है। पीएम मोदी ने ये भी कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में ग्लोबल साउथ (वैश्विक दक्षिण) के देशों के हितों से समझौता नहीं होना चाहिए।

दुबई के अखबार के साथ बातचीत में पीएम मोदी ने ये भी कहा कि भारत अकेला ऐसा देश है जिसने नेशनल डिटरमाइंड कॉन्ट्रिब्यूशन के अपने लक्ष्य को पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह हमेशा कहते हैं कि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है और इसके खिलाफ पूरी दुनिया को एकजुट होना पड़ेगा। यह जरूरी है कि विकासशील देशों को समस्या पैदा करने वाले देश नहीं माना जाना चाहिए। विकासशील देश भी समस्या को सुलझाने में योगदान करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वित्तीय और तकनीकी मदद दिए बिना यह संभव नहीं है। यही वजह है कि मैंने हमेशा इस बात की वकालत की है कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए वित्तीय और तकनीक के ट्रांसफर के लिए वैश्विक सहयोग बेहद जरूरी है।

पर्यावरण की दिशा में भारत ने उठाए कई कदम

प्रधानमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भारत ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। इसके तहत मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट मिशन की शुरुआत की गई है। इसके तहत लोगों को पर्यावरण सहयोगी जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है। प्रधानमंत्री ने ये भी बताया कि भारत ने पर्यावरण को देखते हुए ही जनवरी 2023 में नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की शुरुआत की है। इसके तहत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन और इसके इस्तेमाल के साथ ही इसके निर्यात के लिए भारत को ग्लोबल हब बनाने की योजना है। पीएम मोदी ने एतिहाद से बातचीत में कहा कि भारत का लक्ष्य है कि साल 2030 तक देश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को 5 एमएमटीपीए तक ले जाया जाएगा। हालांकि इसके लिए करीब 100 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ भारत की पांच प्रतिबद्धताएं

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि काप 27 के सम्मेलन के दौरान मैंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पंचामृत नाम से भारत की पांच महत्वकांक्षी प्रतिबद्धताएं बताई थी। जिनमें 2030 तक 500 गीगावाट तक गैर जीवाश्म ईंधन की क्षमता तक पहुंचना, साल 2030 तक भारत की ऊर्जा जरूरतों का 50 फीसदी अक्षय ऊर्जा से प्राप्त करना, कार्बन उत्सर्जन को 2030 तक एक अरब टन तक सीमित करना, साल 2030 तक कार्बन आधारित अर्थव्यवस्था को 45 फीसदी तक कम करना और साल 2070 तक कार्बन उत्सर्जन शून्य करना।

सांध्यप्रकाश विशेष

आदि गुरू शंकराचार्य की प्रतिमा के सामने नतमस्तक हुए शिवराज

भोपाल। मप्र के मुखिया शिवराज सिंह चौहान इन दिनों प्रदेश के अलग अलग क्षेत्रों में बने मंदिर और लोकों के दर्शन करते दिखाई दे रहे हैं। मप्र में 3 दिसंबर को वोटों की गिनती होनी है, कई एग्जिट पोल में मप्र में कांटे की टक्कर बताई गई है। ऐसे में सीएम शिवराज सिंह अब किसी भी तरह का जोखिम लेना नहीं चाहते। शायद इसीलिए पहले चुनाव में जी तोड़ मेहनत की और अब ईश्वर की शरण में हैं। इसी सिलसिले में शिवराज ओंकारेश्वर पहुंचे और आदि गुरू शंकराचार्य की प्रतिमा के सामने नतमस्तक हो गए।

STRESSED @ DESSERTS

Today is the day...when charlie chaplin died....so A Good Day to Recollect his 3 Heart Touching Statements: (1) Nothing is Permanent in this World, not even our Troubles. (2) I like Walking in the Rain, because NoBody can see my Tears. (3) The Most Wasted Day in Life is the Day in which we have not Laughed. LIFE is to Enjoy with Whatever you have with You, Keep Smiling...! If you feel STRESSED, Give yourself A Break. Enjoy Some.. Icecream/ Chocolates/ Candy/ Cake... Why...? B'Coz...: STRESSED backwards spelling is DESSERTS...!! Enjoy...! Very Beautiful lines Pls Store it. ONE Good FRIEND is equal to ONE Good Medicine...! Likewise ONE Good Group is equal to ONE Full medical store...!!

रिजल्ट की तैयारी में जुटी बीजेपी और कांग्रेस, बनाए कंट्रोल रूम, दिग्गज नेता संभालेंगे कमान

भोपाल। प्रदेशभर में 17 नवंबर के विधानसभा चुनावों के परिणामों को लेकर हलचल होने लगी है। 3 दिसम्बर को चुनाव के नतीजे आना बाकी है। गुरुवार शाम, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर एक्जिट पोल जारी कर दिए गए है। बता दें इसमे कहीं भाजपा तो कहीं कांग्रेस की सरकार बनते हुए दिखाई दे रही है। लेकिन राज्य में किसकी सरकार बनेगी इस पर अभी 3 दिसंबर को तस्वीरें साफ हो जाएगी।

भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों ने मतगणना वाले दिन के लिए अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। भाजपा रिजल्ट वाले दिन के लिए प्रदेश के कार्यालयों में कंट्रोल रूम बना रही है। इसमे पार्टी के दिग्गज नेता शामिल भी रहेंगे, जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और अन्य संगठन महामंत्री हितानंद सहित नेता भी शामिल होंगे।

इसके साथ ही भाजपा ने जिला और प्रदेश स्तर पर मार्गदर्शक मंडल के साथ वकीलों की एक टीम भी तैनात की है। पार्टी के सभी जिला अध्यक्ष, विधानसभा चुनाव लड़ रहे है। प्रत्याशी और अभिकर्ता प्रदेश कार्यालय के संपर्क में रहेंगे और सारी जानकारी देते रहेंगे। वहीं दूसरी तरफ, कांग्रेस ने भी अपने प्रदेश कार्यालयों में कंट्रोल रूम स्थापित किए है। जानकारी के मुताबिक यहां रिजल्ट के समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे।

बेंगलुरु के 15 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल भेजा बच्चों और स्टाफ को निकाला गया

बेंगलुरु। कर्नाटक में बेंगलुरु के 15 प्राइवेट स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी शुक्रवार 1 दिसंबर को ई-मेल के जरिए दी गई। सभी स्कूलों को एक साथ ई-मेल आया, जिसमें दावा किया गया कि स्कूलों के अंदर बम रखे गए हैं।

स्कूल प्रशासन ने पुलिस को तुरंत इसकी सूचना दी। पुलिस से स्कूलों से स्टूडेंट्स को बाहर निकाला और तलाशी शुरू की। मौके पर बम डिफ्यूजल स्क्वॉड और एंटी सबोटाज टीम भी पहुंची। हालांकि, अभी तक कुछ नहीं मिला है।

पुलिस बोली- कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

बेंगलुरु पुलिस ने बताया कि सभी स्कूल शहर के अलग-अलग हिस्सों में हैं। अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। बम की सूचना पर स्टूडेंट्स के पेरेंट्स अपने-अपने बच्चों को लेने के लिए पहुंच गए थे। इससे अफरा-तफरी मच गई। सभी स्टूडेंट्स और स्कूल स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। सर्च ऑपरेशन जारी है। घबराने वाली कोई बात नहीं है। पुलिस ने बताया कि पिछले साल बेंगलुरु के सात स्कूलों को इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी, लेकिन यह अफवाह निकली।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार स्कूल पहुंचे

घटना की सूचना के बाद कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार एक स्कूल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। डिप्टी सीएम ने कहा- मैंने स्कूल में बम की खबर टीवी पर देखी तो घबरा गया। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें कुछ मेरे घर के पास हैं।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 21 रुपए बढ़े

नई दिल्ली। 3 दिसंबर को आने वाले देश के पांच राज्यों के चुनाव परिणाम से पहले गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव किया जा रहा है। 15 दिन के बाद ही कमर्शियल गैस सिलेंडर के कीमतों में इजाफा कर दिया गया है। कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में देश के चारों महानगरों में मामूली इजाफा देखने को मिला है। देश की राजधानी दिल्ली और मुंबई में 21 रुपए की बढ़त की गई है।

दिल्ली में गैस सिलेंडर के दाम 1775.50 21 रुपए से बढ़कर 1796.50 रुपए पर आ गए हैं। भोपाल में 908 रुपए में मिल रहा है। जबकि मुंबई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत 1728 रुपए से बढ़कर 1749 रुपए हो गई है। वहीं कोलकाता में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 22.5 रुपए इजाफा हुआ है और कीमतें 1885.50 रुपए से बढ़कर 1908 रुपए पर आ गए हैं। चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे ज्यादा 26.5 रुपए का इजाफा हुआ है और दाम 1942 रुपए से बढ़कर 1968.50 रुपए पर आ गए हैं।

इससे पहले 16 नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में गिरावट देखने को मिली थी। उससे पहले एक नवंबर के दिन कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम देश की राजधानी दिल्ली में 2000 रुपए के काफी करीब पहुंच गए थे। बता दें कि फिलहाल घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार अगस्त महीने के आखिरी दिन बदलाव किया गया था जब सरकार ने इसकी कीमतों में 200 रुपये प्रति सिलेंडर की कटौती की थी।

तेज रफ्तार कार पलटी, बैंककर्मी समेत दो की मौत

भोपाल। भोपाल में गुरुवार देर रात कार पलटने से बैंककर्मी समेत दो लोगों की मौत हो गई। दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में जान गंवाने वाला बैंककर्मी अपनी मां का जन्मदिन मनाने इंदौर से रेहटी (सीहोर) आया था। गुरुवार देर रात लौटते समय हादसा हो गया।

एमपी नगर पुलिस ने जेपी हॉस्पिटल के कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर की सूचना पर मर्ग दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मूलत-रेहटी (सीहोर) का रहने वाला विक्रम गुप्ता उर्फ रिदम इंदौर में एक निजी बैंक में जॉब करता था। उसके मामा सुनील ने बताया कि गुरुवार को विक्रम की मां का बर्थ डे था। वह मां का जन्मदिन मनाने अपने चार दोस्तों के साथ रेहटी गया था।

विक्रम, अभिराज सिंह और दो अन्य दोस्तों के साथ देर रात करीब 1.30 बजे रेहटी से इंदौर के लिए रवाना हुआ था। भोपाल में सभी न्यू मार्केट से बोर्ड ऑफिस की ओर जा रहे थे, तभी शिवाजी नगर चौराहा पर कार उछलकर पलट गई। हादसे में विक्रम गुप्ता (26) और अभिराज सिंह (24) की मौत हो गई। कार की रफ्तार बहुत तेज थी।

विक्रम के मामा सुनील ने बताया कि उसने एमबीए की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद इंदौर स्थित एक निजी बैंक में उसकी जॉब लग गई थी। विक्रम का एक छोटा भाई है, जिसकी पढ़ाई चल रही है। जबकि उसके पिता विजय गुप्ता रेहटी में स्टेशनरी कारोबारी हैं। अभिराज सिंह राजपूत पिता विजेंद्र सिंह राजपूत खिड़किया जिला हरदा का रहने वाला था। वो भोपाल में रहकर बी. टेक फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। लॉयन कंपनी में जॉब भी करता था। अभिराज के पिता हरदा में कपड़े की दुकान चलाते हैं। उसका छोटा पढ़ाई कर रहा है।

कश्मीर की मुगल रोड पर ढाई फीट तक बर्फबारी, हिमाचल की 36 सड़कें बंद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी हो रही है। हिमाचल के लाहौल स्पीति में में बर्फबारी के बाद 36 सड़कें और बिजली के 45 ट्रांसफॉर्मर ठप हैं। एनएच-3 पर सोलंगनाला से अटल टनल तक और एनएच 305 जलोड़ी जोत सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है।

वहीं, जम्मू-कश्मीर बर्फबारी के बाद कुपवाड़ा से तंगधार केरन मार्ग बंद हो गया है। राजौरी और पुंछ से कश्मीर को जोड़ने वाली मुगल रोड भी बंद है। गुरुवार 30 नवंबर को मुगल रोड पर पोशाना से पीर की गली तक ढाई फीट तक बर्फबारी हुई।

इधर, तमिलनाडु में 28 नवंबर से लगातार बारिश हो रही है। चेन्नई के कई शहरों में सड़कों पर पानी भर गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि 1 से 4 दिसंबर के बीच तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने 1 दिसंबर को तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश की आशंका जताई। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होने हो सकती है।

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के उपचारित पानी के बेहतर उपयोग के लिए योजना तैयार करें: निगम आयुक्त

चार इमली एवं सनखेड़ी स्थित अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं पम्प हाउस के निरीक्षण के दौरान दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने चार इमली एवं सनखेड़ी स्थित अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सनखेड़ी पम्प हाउस का निरीक्षण किया और संबंधित कंपनी के प्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों से चर्चा कर विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त नोबल ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों से प्राप्त उपचारित पानी एवं स्लज के बेहतर उपयोग हेतु योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री संतोष गुप्ता, संबंधित कंपनी के प्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी मौजूद थे। नगर निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए ने गुरूवार को चार इमली क्षेत्र स्थित 4.5 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं कोलार क्षेत्र सनखेड़ी स्थित 32 एमएलडी क्षमता के अत्याधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट व सीवेज पंप हाउस का निरीक्षण किया और निगम अधिकारियों एवं कंपनी के प्रतिनिधियों से सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की कार्य प्रणाली के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त को अवगत कराया गया कि चार इमली स्थित 4.5 एमएलडी क्षमता सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में माता मंदिर, हर्षवर्धन नगर, पंचशील नगर, श्याम नगर एवं चार इमली आदि क्षेत्रों का सीवेज उपचारित किया जाता है तथा सनखेड़ी स्थित 32 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से कोलार सर्वधर्म पुल से लेकर बैरागढ़ चिचली तक के क्षेत्रों/कालोनियों की सीवेज लाईनों को जोड़ा गया है। निगम आयुक्त नोबल ने सनखेड़ी स्थित 44.92 एमएलडी क्षमता के पंप हाउस का निरीक्षण किया और ऐसी खुली नालियां एवं खुले व क्षतिग्रस्त चेम्बर जिनका पानी पंप हाउस में आता है को चिन्हित कर उन्हें संधारित व कवर करने की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नोबल ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों द्वारा उपचारित पानी एवं निकलने वाले स्लज के बेहतर उपयोग हेतु योजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त नोबल ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट परिसर को हरियालीयुक्त बनाने तथा इनकी बेहतर साफ-सफाई बनाये रखने के निर्देष भी दिए।

सफाई व्यवस्था का किया अवलोकन: निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए. द्वारा शहर की साफ सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु साफ सफाई व्यवस्था का निरंतर अवलोकन किया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में निगम आयुक्त नोबल ने गुरूवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में साफसफाई व्यवस्था का अवलोकन किया और सार्वजनिक स्थल पर पड़े कचरे को तत्काल उठाने और कहीं भी जीवीपी न बनने देने, सार्वजनिक स्थलों पर सीएंडडी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, सभी कचरा वाहनों में म्यूजिक सिस्टम चालू रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त फ्रैंक नोबल ए. ने विट्टन मार्केट, प्रशासन अकादमी, मनीषा मार्केट, शैतान सिंह चौराहा, शाहपुरा, त्रिलंगा गुलमोहर कालोनी, भरत नगर, 1100 क्वाटर्स, अरेरा कालोनी, 05 नंबर स्टाप, तुलसी नगर, लिंक रोड नं. 01 व 02, न्यू मार्केट, रंगमहल चौराहा, बाणगंगा, श्यामला हिल्स, कमला पार्क, किलोल पार्क, व्हीआईपी रोड, कोहेफिज़ा, लालघाटी चौराहा, कलेक्ट्रेट मुख्य मार्ग, करबला रोड, लाड़ली लक्ष्मी मार्ग, डिपो चौराहा एवं चार इमली आदि क्षेत्रों में साफ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। निगम आयुक्त ने श्यामला हिल्स स्थित नादरा कालोनी रोड पर पड़े कचरे को हटाने एवं जीवीपी पाइंट समाप्त करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने भारत भवन रोड के किनारे हरित कचरा पाये जाने पर तत्काल हटवाने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने निर्देशित किया कि सार्वजनिक स्थलों पर कचरा, गंदगी, सीएंडडी वेस्ट आदि फैलाने वालों के विरूद्ध स्पाट फाईन की कार्यवाही भी सख्ती से की जाये।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में गॉर्जियन ट्यूटर मीट का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में गॉर्जियन ट्यूटर मीट का आयोजन किया गया। चीफ कॉर्डिनेटर डॉ. सुनीला चैबे ने करियर मार्गदर्शन प्रदान करने और गुरू और शिष्य के संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से पूरे कार्यक्रम का समन्वयन किया। इस आयोजन के अंतर्गत ही छात्राओं के लिए अतिथि व्याख्यान, करियर-गाइडेंस कार्यक्रम, सामान्य ज्ञान तथा समसामयिक मुद्दो से संबंधित अन्य आयोजन भी कराए गए। जिसमें छात्राओं ने सकारात्मक भागीदारी दिखाई। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. डालिमा पारवानी ने छात्राओं के सम्रग विकास के लिए कॉलेज की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए ऐसे आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। आयोजित मीट में छात्राओं ने महाविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं एवं आयोजित गतिविधियों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कॉलेज प्रबंधन ने गॉर्जियन ट्यूटर मीट के प्रभावी आयोजन की सराहरना की और हार्दिक बधाई दी।

श्रीमद् भागवत कथा के प्रारंभ में निकली भव्य कलश यात्रा

भोपाल । भेल क्षेत्र से लगी हुई ग्राम पंचायत बंगरसिया में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन समस्त ग्रामीणों के द्वारा किया जा रहा है। कथा के प्रारंभ में आज खेड़ापति हनुमान मंदिर मैं पूजा पाठ कर 151 कलशो के साथ कलश यात्रा प्रारंभ हुई, डीजे ढोल नगाड़े के साथ धार्मिक भजनों की मधुर आवाज पर भक्त नाचते गाते चल रहे थे। जगह-जगह ग्रामीणों ने अपने घर के सामने रंगोली बनाकर कलश यात्रा का फूल बरसा कर स्वागत किया। कलश यात्रा ग्राम के मुख्य मार्गो से होती हुई कथा स्थल न्यू बायपास रोड में समाप्त हुई। ग्राम के सरपंच रतन सिंह परवेल ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन समस्त ग्राम वासियों के द्वारा किया जा रहा है कथा वाचक बाल ब्यास स्वाति कुमारी मिश्रा जी वृंदावन धाम के श्री मुख से दिनांक 30 11 2023 से 6 दिसंबर 2023 तक प्रतिदिन दोपहर 12:30 से 4 बजे तक सुनाई जाएगी। 7 दिसंबर 2023 को पूर्ण आहुति एवं विशाल भंडारे के साथ कथा का समापन होगा। कलश यात्रा में भारी संख्या में महिला पुरुष ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कलेक्टर ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर अंतिम तैयारियों का जायजा लेकर दिए आवश्यक निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मतगणना स्थल पुरानी जेल पहुँचकर विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत आगामी 3 दिसंबर को जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के लिए होने वाली मतगणना हेतु की जा रही अंतिम तैयारियों का अवलोकन किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्षों में जाकर तैयारियों का जायजा लिया। साथ ही डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। उन्होंने आरओ को मतगणना के संबंध में विभिन्न निर्देश भी दिये।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अवधेश कुमार गोस्वामी,नोडल मतगणना श्री संदीप केरकेट्टा, एडीएम श्री प्रकाश सिंह, डिप्टी डीईओ श्री रविशंकर राय सहित सभी आरओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

स्वास्थ्यकर्मियों के लिए प्रदेश में पहली बार आयोजित हुआ पेलिएटिव केयर पर प्रशिक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पेलिएटिव केयर पर प्रशिक्षण का आयोजन एम्स चिकित्सालय में किया गया। प्रशिक्षण में गंभीर मरीजों के लिए पैलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल कार्यालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में चिकित्सक एवं नर्सिंग ऑफिसर सम्मिलित हुए हैं। पेलिएटिव केयर विषय पर प्रदेश में पहली बार प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में स्वास्थ्य विभाग, हमीदिया, गैस राहत, ई एस आई, चिरायु अस्पताल, एलएन मेडिकल कॉलेज ,महावीर मेडिकल कॉलेज, रामकृष्ण मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में एम्स अस्पताल के कैंसर विभाग, रेडियोथैरेपी विभाग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सायकेट्री विभाग के विषय विशेषज्ञों द्वारा पेलिएटिव केयर के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा बीमारी की गंभीर अवस्था में मरीज को होने वाली विभिन्न समस्याओं, दर्द के प्रकार, उनकी पहचान और प्रबंधन, गांठ या घाव की देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। चिकित्सा स्टाफ और मरीज के परिजनों को मरीजों की देखभाल, मानसिक और भावनात्मक सहयोग, गुणवत्तापूर्ण जीवन के लिए सकारात्मक वातावरण जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पैलिएटिव केयर गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों, उनके परिवारों और देखभाल करने वालों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करती है। वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाईजेशन के अनुसार विश्व में 5 करोड़ 68 लाख लोगों को पेलिएटिव केयर की आवश्यकता होती है। इनमें से लगभग 2 करोड़ 57 लाख लोग अपने जीवन के अंतिम पड़ाव पर पर होते हैं। वैश्विक स्तर पर मात्र 14त्न लोगों को ही पेलिएटिव केयर उपलब्ध है । पैलिएटिव केयर को बढ़ावा देने के लिए हेल्थ प्रोफेशनल्स को इसका प्रशिक्षण देना आवश्यक है । इसी को ध्यान में रखते हुए एम्स के सहयोग से प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में ऑंकोलॉजी विभाग के सर्जन डॉ. नीलेश श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि पैलेटिव केयर में चिकित्सक, नर्स, सपोर्ट वर्कर, पैरामेडिक स्टाफ, फार्मासिस्ट, फिजियोथैरेपिस्ट की भूमिका समान रूप से महत्वपूर्ण होती है । मरीज में दिखने वाले गंभीर लक्षणों की शीघ्र पहचान करना आवश्यक है। एनेस्थीसिया विभाग की प्रोफेसर डॉ. वैशाली वायंदेस्कर ने बताया कि पैलिएटिव केयर का उद्देश्य मरीज में, दर्द या अन्य कोई शारीरिक, मानसिक या सामाजिक समस्याओं की शीघ्र पहचान, सही मूल्यांकन और उपचार के माध्यम से पीड़ा को कम करना है। पेलिएटिव केयर देकर मरीज को अस्पताल में भर्ती होने का संभावनाओं को भी न्यूनतम किया जा सकता है। सायकेट्री विभाग के प्रोफेसर डॉ. विजेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण में बताया कि पैलिएटिव केयर में सिर्फ शारीरिक पीड़ाओं को ही उपचारित नहीं किया जाता है, बल्कि मरीज को मनोवैज्ञानिक रूप से सशक्त बनाकर उसके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया जाता है।

सीबीएसई एलएनसीटी नेशनल गर्ल्स फुटबॉल ट्रॉफी इनफोकस स्कूल वेस्ट बंगाल ने जीती

भोपाल। एलएनसीटी वर्ल्ड स्कूल द्वारा आयोजित सीबीएसई नेशनल फुटबॉल गर्ल्स प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला आज दिनांक 30 नवंबर को इनफोकस स्कूल वेस्ट बंगाल एवं विद्या देवी जिंदल स्कूल हिसार हरियाणा के बीच स्कूल मैदान पर खेला गया।

इस रोमांचक मुकाबले में दोनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया और मैच के पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने एक-एक गोल कर बराबरी पर रहे इसके बाद फाइनल मुकाबले के दूसरे हाफ में इनफोकस स्कूल की पूरी टीम विद्या देवी जिंदल स्कूल पर हावी रही दूसरे हाफ में इनफोकस स्कूल ने दो गोल जबकी विद्या देवी जिंदल स्कूल ने एक गोल किया इस प्रकार यह फाइनल मुकाबला इनफोकस स्कूल ने 3/2से जीत कर किताबी मुकाबला अपने नाम कर लिया प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि एडीजी विजय कटारिया(आईपीएस), एडीएम भोपाल हरेंद्र नारायण (आईएएस), एलएनसीटी ग्रुप के अध्यक्ष जय नारायण चौकसे,स्कूल प्राचार्य चैतन्य सक्सेना जी मैनेजर शोभा चौकसे जी एवं सचिव सागर रायकवार द्वारा किया गया। जिसमें विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पुरुस्कार प्रदान की गई।

सुनामी और डबल डिस झूले का आनंद भोजपाल महोत्सव मेले में पहली बार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेला में इस बार सुनामी और डबल डिस जैसे रफ्तार और रोमांच से भर देने वाले झूले धमाल मचाएंगे। चाइना मेड यह झूले शहर में पहली बार किसी मेले में लगाए जा रहे हैं। आयोजकों की माने तो सुनामी झूला देश में दो ही है और दोनों दक्षिण भारत में है। यह शहर में पहली बार 27 नवम्बर से चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में आने वाले लोगों का मनोरंजन कराएंगे।

मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि भेल जनसेवा समिति द्वारा बीते नौ सालों से भोजपाल महोत्सव मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में बच्चों और बड़ों के लिए मुख्य आकर्षण और रोमांच से भरने वाले देश भर के अलग-अलग शहरों से आने वाले अत्याधुनिक झूले हैं। मेले में देश का सबसे बड़ा झूला सुनामी और डबल डिस लगाया जा रहा है। महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि रफ्तार की दुनिया का सबसे तेज भागता झूला ट्वीस्टर व्हील है, जो मेले में लोगों के आकर्षण का केंद्र है। इसके अलावा रोलर कोस्टर, टॉवर, रेंजर, ऑक्टोपस, ब्रेक डांस, एरोप्लेन, मिनी ट्रेन, पिग्गी ट्रेन, कटर पिलर, फ्रीज व्हील, बड़ी नाव, ड्रेगन, टोरा-टोरा, चॉद-तारा,

बाउंसी, चाईना बाउंसी, वॉटर वोट, जम्पिंग, चकरी, स्विंग ईट, मौत का कुंआ, स्टाइकिंग कार, घोस्ट हाउस, भूत बंगला के साथ कई अन्य रंग-विरंगे झूले हैं।

बारिश के बाद भी बड़ी संख्या में मेला देखने पहुंच रहे हैं शहरवासी: बीते तीन दिनों से हो रही रिमझिम बारिश के बाद भी बड़ी संख्या में शहरवासी मेला देखने पहुंच रहे हैं। कुछ लोग परिवार के साथ तो कुछ दोस्तों के साथ खरीदारी और मनोरंजन करने पहुंच रहे हैं। मेले में दक्षिण भारत के मंदिरों की थीम पर बनाए गए भव्य स्वागत द्वार, मंच और राजा भोज के साथ सेल्फी ले रहे हैं।

450 दुकानों के स्टॉल लगाए गए हैं: मेले में 450 से ज्यादा स्टाल लगाए गए हैं। इसमें प्रॉपर्टी, ऑटोमोबाइल, इलेक्टॉनिक, टेलीकॉम, फर्नीचर, हैन्डी क्रॉफ्ट, हैंडलूम के साथ विभिन्न प्रकार के स्वादिस्ट व्यंजन, बैंकिंग इंश्योरेंस, ऑर्ट गैलरी, इंटीरियर, महिलाओं की सौंदर्य सामग्री, खूर्जा क्राकरी, कपड़े सहित अन्य सामग्री के स्टाल हैं।

प्रदेश कार्यालय में हुआ भोपाल की सभी 6 विधानसभा के पोलिंग एजेंट का प्रशिक्षण वर्ग

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारतीय जनता पार्टी जिला भोपाल द्वारा मतगणना पोलिंग एजेंट का प्रशिक्षण शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी प्रदेष कार्यालय में संपन्न हुआ। बैठक में पार्टी के जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, प्रदेश उपाध्यक्ष व उत्तर विधानसभा के प्रत्याशी आलोक शर्मा, पार्टी प्रदेश महामंत्री व दक्षिण पश्चिम के प्रत्याषी भगवानदास सबनानी, कैबिनेट मंत्री नरेला विधानसभा के प्रत्याशी विश्वास सारंग, प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल, एस एस उप्पल एवं महापौर मालती राय ने आवष्यक दिषा निर्देष दिए। जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी प्रशिक्षण वर्ग को संबोधित करते हुए कहा हमें मतगणना की टेबल पर विशेष तौर पर ध्यान रखना है खासतौर पर बैलट पेपर सरकारी कर्मचारियों द्वारा दिया गया वोट उसको अच्छी तरह देखना है। नेताओं ने कहा कि आप सभी के अथक परिश्रम, हमारी सरकारों के काम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की विश्वसनीयता के कारण हम विधानसभा चुनाव में भारी विजय के रास्ते पर चल पड़े हैं।

इस अवसर पर नेताद्वय ने मतगणना के दौरान आवश्यक एवं करणीय कार्यों की विस्तृत जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं ने पूरे चुनाव अभियान में घनघोर परिश्रम किया है और हमारी सरकारों के काम को भी व्यापक समर्थन मिला है। इसी कारण से कांग्रेस के लोग बौखलाए हुए हैं। वे मतगणना के दौरान बेईमानी करने के भी प्रयास करेंगे, लेकिन हमारा कार्यकर्ता सक्षम, निर्भय और सतर्क है। हम कांग्रेसियों की हर चाल का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं। कांग्रेस के कुत्सित प्रयासों के बावजूद हम मतगणना की पारदर्शिता को प्रभावित नहीं होने देंगे। हमारे कार्यकर्ता कुछ भी गड़बड़ होने पर चुप नहीं बैठेंगे, बल्कि हर बात को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाएंगे।

जनसंपर्क एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सपत्नीक माँ शारदा के दर्शन किए। मंत्र शुक्ल ने माँ शारदा से प्रदेश के निवासियों के मंगल की कामना की। विधायक सेमरिया के. पी. त्रिपाठी, विधायक प्रत्याशी मैहर श्रीकान्त चतुर्वेदी, राजेश पांडेय उपस्थित थे।

लोक सेवा गारंटी के तहत तय समय में काम पूरा नहीं करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

भोपाल। मप्र हाउसिंग बोर्ड प्रशासन ने लोक सेवा गारंटी के तहत आने वाली नामांतरण, हस्तांतरण, एनओसी, फ्री होल्ड जैसी सेवाओं में देरी को लेकर सख्त रुख अपनाया है। इसके तहत प्रदेश के जिस सर्किल या डिविजन में इन सेवाओं को लेकर आए आवेदन को निपटाने में देरी होगी, उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जिम्मेदार अधिकारियों के वेतन में कटौती भी की जाएगी।

बता दें कि गुरुवार को भू अर्जन एवं संपदा प्रबंधन से संबंधित विषयों को लेकर मुख्यालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें बोर्ड की मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बिदिशा मुखर्जी ने अधिकारियों को लोक सेवा गारंटी के तहत आने वाली सभी सेवाओं को तय समय में पूरा करने की चेतावनी दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड के जिन आवंटियों के मोबाइल नंबर, ई-मेल व केवाईसी अपडेट नहीं हैं, उनको एक महीने में पूरा किया जाए। ताकि सभी आवंटियों को जरूरी सूचना समय पर मिलती रहे। वहीं मुख्य संपदा अधिकारी डीएस तोमर ने सभी सर्कल से हाउसिंग बोर्ड के गठन के उपरांत मंडल को आवंटित भूमि और भू-अर्जन से प्राप्त भूमि के संबंध में संपूर्ण जानकारी मांगी है। उन्होंने डिजिटलाइजेशन के काम तेजी लाने के भी निर्देश दिए।

जेपी अस्पताल में रोपेंगे जाएंगे चार सौ से अधिक औषधीय प्रजातियों के पौधे

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रदेश में पर्यावरण को बचाने के लिए अब शासकीय अस्पतालों में बड़े स्तर पर बाटनिकल गार्डन को तैयार कराया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग आगे आया है। प्रदेश के सभी अस्पतालों को इसके लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसी क्रम में राजधानी के जेपी अस्पताल में इसे लेकर तैयारियां बड़े स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। अस्पताल प्रबंधन ने उनके यहां काम करने वाले सभी चिकित्सकों से अस्पताल को पौधा भेंट करने के लिए कहा है। इतना ही नहीं, जो चिकित्सक जिस पौधे को दान करेगा, वो उसका अस्पताल के गार्डन में रोपण भी करेगा। अस्पताल प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार जेपी में चार सौ से अधिक औषधीय प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे।

इसे लेकर नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी) ने सभी जिला अस्पतालों में बाटेनिकल गार्डन तैयार करने के आदेश दिए हैं। कायाकल्प अभियान के तहत ऐसे गार्डन को अनिवार्य बनाया गया है। हरके पौधे पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। इसे स्कैन करने पर पौधे के औषधीय गुणों के बारे में जानकारी होगी। प्रदेश में वर्तमान में 51 जिला अस्पताल हैं, जिनमें इस तरह के गार्डन को डेवलप करने को लेकर निर्देश जारी किए गए है। इनमें से कुछ जिलों में से गार्डन में पहले से हैं, जिनको व्यवस्थित किया जाना है। अब जेपी में गार्डन को डेपलप करने के लिए काम किया जा रहा है।

डा राकेश श्रीवास्तव, सिविल सर्जन, जेपी अस्पताल का कहना है कि अस्पताल को हरा-भरा बनाने का प्रयास है। यहां आने वाले मरीजों और उनके स्वजनों को इससे अच्छा लगेगा। जल्द ही बाटेनिकल गार्डन आकार लेने लगेगा। चिकित्सकों के अलावा सामान्यजन से भी पौधे दान करने के लिए अपील की जा रही है। गार्डन के लिए प्रदेश के सभी अस्पतालों को प्रयास करना है।

ब्रिगेडियर गौर ने राष्ट्रीय कैडेट कोर उप महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया

भोपाल। ब्रिगेडियर रजनीश सिंह गौर ने भोपाल में राष्ट्रीय कैडेट कोर (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़) निदेशालय के उप महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। ब्रिगेडियर रजनीश सिंह गौर, जाट रेजिमेंट की तीसरी बटालियन में कमीशन हुए और वर्तमान में वह भारतीय सेना की आर्मी सेवा कोर से है। वह ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, चैन्नई डिफेंस सर्विसज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन और कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्होनें बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के शिक्षण विभाग से अर्थशास्त्र में एमए और मद्रास विश्वविद्यालय से रक्षा और सामरिक अध्ययन में एमएससी किया है। ब्रिगेडियर रजनीश सिंह गौर, मोतीलाल विज्ञान आर्दश महाविद्यालय (एमव्हीएम) से स्नातक हैं और भोपाल के निवासी है। अधिकारी के पास जम्मू और कश्मीर सेक्टर और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में काउण्टर इंसर्जेसी ऑपरेशन् सहित सैन्य अभियानों में 30 वर्षों की सेवा का अभूतपूर्व करियर रहा है। अधिकारी ने दिल्ली में साउथ ब्लॉक में सहायक सैन्य सचिव एवं वेलिंगटन के प्रमुख त्रि-सेवा रक्षा सेवा स्टॉफ कॉलेज में प्रशिक्षक जैसे प्रतिष्ठित नियुक्तियों पर भी कार्य किया है। उन्होंने सेना की फील्ड इकाइयों, प्रशिक्षण सस्थानों और मुंबई में त्रि-सेवा एम्बार्केशन मुख्यालय के कमाण्डेण्ट सहित विभिन्न मुख्यालयों में कई कमाण्ड और स्टॉफ नियुक्तियों पर कार्य किया है। भोपाल में राष्ट्रीय कैडेट कोर (मध्यप्रदेश एवं छग) निदेशालय के उप महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने से पूर्व ब्रिगेडियर रजनीश सिंह गौर भारतीय सेना के असम और अरुणाचल प्रदेश सेक्टर के लिए ऑपरेशनल लाजिस्टिक के प्रभारी थे।

एपीपीआईसीओएन 2023 में समग्र स्वास्थ्य देखभाल में एकीकृत चिकित्सा की खोज

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआईसीओएन 2023) के 69वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के हिस्से के रूप में आयोजित इंटीग्रेटिव मेडिसिन~ एन इमर्जिंग कॉन्सेप्ट ऑफ होलिस्टिक हेल्थकेयर नामक एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला में, प्रतिभागियों को स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में परिवर्तनकारी अन्वेषण के बारे में बताया गया। किनारा। यह अभूतपूर्व सत्र 29 नवंबर को एम्स कल्याणी के आयुष भवन में दोपहर 2 से 5 बजे तक हुआ।

कार्यशाला में वक्ताओं का एक प्रतिष्ठित पैनल शामिल था, जिसमें इंटीग्रेटिव वर्कशॉप की समन्वयक डॉ. रचना पाराशर के साथ-साथ डॉ. वरुण मल्होत्रा और डॉ. रागिनी श्रीवास्तव की विशेषज्ञता भी शामिल थी। इन सम्मानित पेशेवरों ने उदारतापूर्वक अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, एकीकृत चिकित्सा का व्यापक अवलोकन और समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्रथाओं को आगे बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका प्रस्तुत की।जुड़ाव के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करते हुए, कार्यशाला ने विचारों के गहन आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान की, जिससे प्रतिभागियों को अत्याधुनिक परिप्रेक्ष्य में जाने और स्वास्थ्य देखभाल में विकसित प्रतिमान की गहरी समझ विकसित करने की अनुमति मिली। यह कार्यक्रम उपस्थित लोगों के लिए अपने ज्ञान को समृद्ध करने और समग्र स्वास्थ्य देखभाल के भविष्य को आकार देने में एकीकृत चिकित्सा की परिवर्तनकारी क्षमता को अपनाने का एक विशेषाधिकार प्राप्त अवसर साबित हुआ। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ. अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर सभी को बधाई दी।

न्यूरोमॉड्यूलेशन में नवाचार एपीपीआईसीओएन 2023 में डॉ. वरुण का प्रमुख योगदान

एम्स भोपाल के अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. वरुण मल्होत्रा ने हाल ही में एम्स कल्याणी में आयोजित प्रतिष्ठित एपीपीआईसीओएन 2023 के दौरान न्यूरोमॉड्यूलेशन~ योग और बायोफीडबैक卐 पर एक ज्ञानवर्धक सत्र की अध्यक्षता की। सम्मेलन ने न्यूरोफिज़ियोलॉजी और मन-शरीर चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी दिमागों को एक साथ लाया, तंत्रिका विज्ञान, योग और बायोफीडबैक के चौराहे पर अत्याधुनिक प्रगति का प्रदर्शन किया।

न्यूरोफिज़ियोलॉजी के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति डॉ. मल्होत्रा ने न्यूरोमॉड्यूलेशन के विभिन्न पहलुओं पर अपनी गहन अंतर्दृष्टि साझा की। उनके योगदान में मोटापे से संबंधित चुनौतियों के समाधान में बायोफीडबैक तकनीकों की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए न्यूरोमॉड्यूलेशन~ मोटापे में बायोफीडबैक की प्रभावकारिता पर अमूल्य चर्चाएं शामिल थीं।

इसके अतिरिक्त, डॉ. मल्होत्रा ने क्रोनिक पेन में न्यूरोफीडबैक-गाइडेड मोटर इमेजरी विषय की खोज की, जो क्रोनिक दर्द की स्थिति के प्रबंधन के लिए मोटर इमेजरी को बढ़ाने के लिए न्यूरोफीडबैक का उपयोग करने पर एक नया दृष्टिकोण पेश करता है। इसके अलावा, सत्र में मानसिक आराम के लिए एचआरवी-बायोफीडबैक तकनीक पर चर्चा की गई, जिसमें एम्स दिल्ली के सम्मानित वक्ताओं-डॉ. द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं।

सीएनजी कचरा वाहनों का फीडबैक लेने डोर-टू-डोर पहुंची यूनिडो की टीम

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिडो) की टीम ने गुरुवार को नगर निगम के कचरा कलेक्शन वाहनों के साथ डोर-टू-डोर फीडबैक लिया। इस दौरान रहवासियों से पूछा कि सीएनजी वाहन आते हैं कि नहीं? इससे कालोनियों में ईंधन से होने वाले प्रदूषण में कमी आई क्या? इसके साथ ही यूनिडो की टीम आदमपुर छावनी स्थित लैंडफिल साइट व गोविंदपुरा कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण भी किया।

बता दें कि यूनिडो ने नगर निगम को 250 सीएनजी कचरा वाहनों को खरीदने के लिए 10 करोड़ रुपये दिए हैं। निगम ने यूनिडो की सहायता से 100 सीएनजी वाहन खरीद लिए हैं। जबकि 125 वाहन भी जल्द आने वाले हैं। इन वाहनों से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन किया जा रहा है। इससे रहवासी कालोनियों में प्रदूषण की कमी आई है। वहीं, ईंधन के रूप में होने वाले खर्च से भी निगम को राहत मिल गई है। सीएनजी वाहनों का सही ढंग से उपयोग हो रहा है या नहीं? इसका फीडबैक लेने यूनिडो की टीम राजधानी पहुंची है। बुधवार को निगम कमिश्नर फ्रैंक नोबल ए से मुलाकात के बाद गुरुवार को टीम भेल पहुंची। यहां जोन क्रमांक 14 के अवधपुरी क्षेत्र में डोर-टू-डोर कलेक्शन देखा। यूनिडो के सदस्य नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की टीम के साथ भेल की कालोनियों में पहुंची। कचरा वाहन पर तैनात अमले व अन्य सफाई मित्रों से चर्चा की। जहां निगम के मैदानी अमले ने बताया कि डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के तहत घरों से कचरा अलग-अलग डस्टबिन में लिया जाता है, फिर कचरा वाहनों में अलग-अलग बनाए गए कम्पार्टमेंट में गीला-सूखा कचरा अलग रखते हैं। इसके बाद इसे निष्पादन स्थल तक पहुंचाया जाता है।

कचरे को लैंडफिल साइट भेजने की प्रक्रिया को समझा

यूनिडो की टीम ने गोविन्दपुरा स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन देखा। यहां मौजूद कर्मचारियों से कचरे के निष्पादन और कचरे को काम्पेक्ट कर आदमपुर छावनी भेजने की प्रक्रिया की जानकारी ली। इसके बाद टीम आदमपुर छावनी पहुंची। जहां 400 टन क्षमता के बायो सीएनजी प्लांट को देखा। इस दौरान दल के सदस्य डा. नीरज नेगी, डा. एलेक्सजेंडर एलेक्स, यूनिडो के अधिकारी डा. एनपी सिंह व बीआर मिश्रा के अलावा निगम के सहायक यंत्री सौरभ सूद, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी राकेश शर्मा, उपयंत्री विकास मरकाम उपस्थित रहे।

एम्स को एफआईसीसीआई अवार्ड्स 2023 में मिला पुरस्कार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफआईसीसीआई) ने 29 नवंबर 2023 को डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित एक शानदार समारोह में एफआईसीसीआई उच्च शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कारों के 9वें संस्करण का आयोजन किया। इन पुरस्कारों का उद्देश्य संस्थानों को मान्यता देना और सम्मानित करना है। ऐसे व्यक्ति जिन्होंने भारत में उच्च शिक्षा में अद्वितीय उत्कृष्टता हासिल की है। पुरस्कार पाँच श्रेणियों में दिए जाते हैं; रोजगार सृजन में उत्कृष्टता, सामाजिक जिम्मेदारी, वैश्वीकरण, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता, और वर्ष का विश्वविद्यालय। विभिन्न विषयों से संबंधित संस्थानों के बीच एक अत्यंत प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिता के बाद अत्यधिक प्रशंसित जूरी द्वारा एम्स भोपाल को वर्ष 2023 के लिए उभरता हुआ विश्वविद्यालय घोषित किया गया था। यह पुरस्कार शैक्षणिक कार्यक्रमों, संकाय विकास गतिविधियों, अनुसंधान सुविधाओं और आउटपुट, शासन, बुनियादी ढांचे और सामाजिक आउटरीच के उच्च मानकों की मान्यता है जिसे संस्थान ने लगभग 10 वर्षों की छोटी अवधि में स्थापित किया है। यह अत्यधिक सराहना की गई कि तकनीकी शिक्षा के साथ-साथ, संस्थान अपने छात्रों को चिकित्सा मानविकी और संचार कौशल, अनुभवात्मक शिक्षा, अनुसंधान पद्धति और समुदाय-केंद्रित दृष्टिकोण में उन्मुख करने पर जोर देता है। छात्रों और संकाय सदस्यों के समग्र विकास के इस मॉडल को भविष्य के स्वास्थ्य पेशेवरों को तैयार करने में एक आवश्यक साधन के रूप में मान्यता दी गई थी। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह दो दिवसीय फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन का एक हिस्सा था, जिसे 29 और 30 नवंबर 2023 को राष्ट्रीय राजधानी में सशक्त दिमाग, ड्राइविंग परिवर्तन~ उच्च शिक्षा के भविष्य को फिर से परिभाषित करना विषय के साथ मनाया जा रहा है। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताया तथा संस्थान के सभी कर्मियों को धन्यवाद दिया।

स म्पा द की य

ज्यादा उम्मीद पालना व्यर्थ ही है!

ग्लोबल वॉर्मिंग हमारी सबसे महत्वपूर्ण चिंताओं में एक है, इसका असर हमारे जीवन पर साफ-साफ दिखने लगा है। इसीलिए पृथ्वी की पर्यावरण चिंताओं पर विचार और समस्याओं के समाधान के लिए दुबई में आयोजित हो रहा कॉप-28 बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। कहने को दुनिया भर के नेता, कार्यकर्ता, कॉर्पोरेट दिग्गज और पत्रकार दुबई आ रहे हैं, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दोनों नदारद हैं। दोनों ने अपने स्थान पर अपने जलवायु-दूत भेज दिए हैं।

क्या यह दुनिया के लिए बहुत ही गलत संदेश नहीं है? सही मायने में अमेरिका और चीन दुनिया के दो सबसे बड़े प्रदूषक देश हैं, लेकिन उनके नेता इस समिट में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। इससे पता चलता है कि वे इसे कितनी अहमियत देते हैं? फिर भी, सम्मेलन पर सबकी नजरें तो रहेंगी ही। सम्मेलन का एजेंडा मुख्यतया दो बातों पर केंद्रित है- इस क्षेत्र में प्रगति का जायजा लेना और अगले कदमों के लिए फंडिंग करना। लेकिन इन दोनों में ही कमीबेसी रहने वाली है।

2015 में दुनिया के देशों ने वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। साथ ही वे 2030 तक वैश्विक उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कटौती करने पर सहमत हुए थे। परंतु इस पर बहुत गंभीरता से अमल होता नहीं दिख रहा है। ग्लोबल साउथ चाहता है कि अमीर देश 2030 तक कम से कम 100 अरब डॉलर का बिल चुकाएं। आखिरकार, यह उनके द्वारा फैलाया प्रदूषण ही है, जिनके कारण दुनिया को इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अमीर देश अनिच्छुक हैं। वे कहते हैं कि यह अब एक साझा जिम्मेदारी है। अमीर बनाम गरीब की यह बहस हर सीओपी में एक आम विषय बन गई है।

2021 में हुए पेरिस समझौते में दुनिया का तापमान जिस 1.5 डिग्री सेल्सियस पर ही रोकने की बात की गई थी, इस साल 38 से भी अधिक दिन ऐसे रहे हैं जिनमें तापमान औसत से डेढ़ डिग्री ज्यादा रहा था। महासागर तेजी से गर्म हो रहे हैं। अल नीनो की वजह से इस साल उनका भी तापमान सामान्य से 1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रेकॉर्ड किया गया। धरती का रेफ्रिजरेटर माने जाने वाले अंटार्कटिका से इस साल साढ़े सत्रह लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ गल गई है। पिछले हफ्ते अंटार्कटिका में 4 हजार स्क्वेयर किलोमीटर से भी बड़ा हिमखंड टूट गया। यह बहुत गंभीर मसला है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा तो कहीं बेमौसम बरसात के चलते 2023 को दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक एक ऐसा वर्ष मान रहे हैं, जहां से पृथ्वी का पर्यावरण एक अज्ञात क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। जाहिर है कि कॉप-28 में सिर्फ जुबानी जमाखर्च से काम नहीं चलने वाला, जैसा कि अभी इसमें शामिल 198 देश और उनके नुमाइंदे करते आए हैं।

कॉप की बैठकें भले ही अच्छे भविष्य की रूपरेखा बनाने के लिए आयोजित होती रही हों, लेकिन एक पेरिस समझौते को छोड़ दें तो अभी तक इसमें इतना काम नहीं हो पाया है कि उसे काबिल-ए-जिक्र माना जाए। न तो विकसित देश अपना कार्बन उत्सर्जन तेजी से कम कर रहे हैं और ना ही ग्रीन एनर्जी में प्रगति जिक्र करने लायक है। इसीलिए कॉप-28 में पिछली सारी बैठकों में हुए वादों, इरादों और उन पर हुए काम का लेखा-जोखा होने जा रहा है। पिछले साल इजिप्ट में हुए कॉप-27 में मौसम से होने वाले नुकसान से निपटने के लिए फंड बनाने पर सहमति बनी थी, लेकिन मामला अभी तक सिफर ही है। कॉप-28 में भी अगर इस पर कुछ नहीं होता तो साफ हो जाएगा कि विकसित देश क्लाइमेट चेंज की चुनौतियों से निपटने को लेकर कितने गंभीर हैं।

दुनिया को परिवर्तन की चुनौती को गंभीरता से लेना होगा और इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठाने होंगे। अभी तक अपने स्वार्थ की वजह से दुनिया के कई देश इस दिशा में तेजी से कदम नहीं उठाते, खासतौर पर अमीर देश। दरअसल, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने के लिए ग्रीन एनर्जी में भारी-भरकम निवेश करना होगा और प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों का इस्तेमाल घटाना होगा। लेकिन इससे कुछ समय के लिए आर्थिक ग्रोथ में कमी आ सकती है। यही कारण है कि कई देश इससे बचने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ये भी मानना होगा कि ऐसा करके वे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य खराब कर रहे हैं।

इसलिए किसी एक देश में नहीं, पूरी दुनिया में ही लोगों को इसके लिए जागरूकता के साथ ही अपने-अपने देश पर दबाव बनाना होगा। हर देश इसके लिए जब तक अपनी-अपनी भूमिका नहीं निभाएगा, तब तक जलवायु परिवर्तन के परिणाम और गंभीर होते जाएंगे।

हमारे विन्ध्य के सेतबन्धु थे लक्ष्मीनारायण नायक

स्मरण/जयराम शुक्ल

मध्यप्रदेश में हजम हो जाने के बाद भी हम विंध्यप्रदेश को एक राजनीतिक-सांस्कृतिक इकाई के रूप में देखते और परिभाषित करते आए हैं। मैं इस समूचे भूभाग को दो प्रकाशस्तंभों के आलोक में देखा करता था..ये दो स्तंभ थे यमुनाप्रसाद शास्त्री रीवा और लक्ष्मीनारायण नायक टीकमगढ़। नायक जी के बिछड़े आज पांच साल पूरे हो गए।

ये दोनों महापुरुष विंध्यप्रदेश के ओर-छोर थे। संसदीय राजनीति में भी दो जिस्म एक जान की भाँति रहे। शास्त्री और नायक मध्यप्रदेश की विधानसभा में साथ-साथ तो रहे ही, 77 में दोनों लोकसभा में एक साथ पहुंचे। यद्यपि वे विंध्य के लौहपुरुष कहे जाने वाले चंद्रप्रताप तिवारीजी के भी अत्यंत निकट थे। मध्यप्रदेश की विधानसभा में आज भी नायकजी और चंद्रप्रताप तिवारी की युति संसदीय विद्वता की चरमोत्कर्ष मानी जाती है। चंद्रप्रताप जी के कांग्रेस में जाने के बाद समाजवादी राजनीति में नायक और शास्त्री की युति बनी।

नायकजी शास्त्री जी के साथ मिलकर विंध्यक्षेत्र के मुद्दों पर एक साथ लड़े-भिड़े। इन दोनों का बड़ा सपना था विंध्य के ओर-छोर जोड़ने वाली ललितपुर सिंगरौली रेल परियोजना। दोनों की इस साझा माँग की स्वीकृति दी थी तत्कालीन रेलमंत्री मधुदंडवते ने।

80 से 96 तक इस परियोजना की फाइलों में जमी गर्द को अटलबिहारी वाजपेयी ने साफ किया.. पाँच साल और सही पर शास्त्री और नायक का सपना पूरा होगा इस पर पूर्ण विश्वास है।

नायकजी को शास्त्रीजी के सानिध्य में रहकर जाना..दोनों के व्यक्तित्व को एक शब्द में समेटना हो तो बस इतना ही कह सकते हैं शास्त्री जी तेजस्वी थे तो नायकजी तपस्वी। सरलता, सादगी, मधुरता में वे शास्त्री जी से श्रेष्ठ थे, उम्र में ज्येष्ठ तो थे ही।

आखिरी बार नायकजी का सानिध्य मिला 27 मार्च 2000 को जब भोपाल में विंध्यप्रदेश के पुनरोदय के संकल्प के लिए भोपाल में अधिवेशन बुलाया गया। तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष श्रीयुत श्री निवास तिवारी की पहल पर 10 मार्च 2000 को विधानसभा में विंध्यप्रदेश के पुनरोदय का अशासकीय संकल्प सर्वसम्मति से पारित किया गया।

तिवारी जी ने सदन के बाहर इस संकल्प को पारित कराने और इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु अधिवेशन बुलाने का जिम्मा मुझे सौंपा गया।

27 मार्च 2000 को यह अधिवेशन भोपाल के 45 बंगले स्थित स्पीकर आवास में आयोजित किया गया।

जब समूचे विंध्यप्रदेश के जनप्रतिनिधियों को इस अधिवेशन में भाग लेने के लिए न्योता गया तब एक संशय सभी के मन में तैर रहा था कि क्या बुंदेलखंड हिस्से के जनप्रतिनिधि साथ देंगे..। लेकिन सुखद आश्चर्य तब देखने को मिला जब बुंदेलखंड के जनप्रतिनिधि अधिवेशन में सबसे बड़ी संख्या में..सबसे पहले पहुँचे..।

इनमें सबके अगुवा नायकजी ही थे। अन्य प्रतिनिधियों में..राजेन्द्र भारती विधायक दतिया, उमेश शुक्ल विधायक छतरपुर, केशरी चौधरी विधायक, मगनलाल गोइल विधायक टीकमगढ़, कैप्टन जयपालसिंह पूर्व विधायक पवई-पन्ना व बड़ी संख्या में अन्य प्रतिनिधि थे..। बघेलखण्ड हिस्से से श्रीयुत के अलावा शिवमोहन सिंह, इंद्रजीत कुमार, सईद अहमद, सबनम मौंसी, पंजाब सिंह, रामप्रताप सिंह सभी विधायक डा. लालता खरे, विश्वभंर दयाल अग्रवाल, विजयनारायण राय समेत अन्य थे..।

इस अधिवेशन में लक्ष्मीनारायण नायकजी के विचार संक्षिप्त किंतु अत्यंत सारगर्भित थे। उन्होंने कहा था-

मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि मैं और जो मेरे साथी हैं इस पक्ष में रहे हैं कि छोटे राज्य होने चाहिए। बराबर हम लोग उसका प्रयास करते रहे। अभी 16 मार्च को ही हजारों साथी पकड़े गए छोटे राज्यों की मांग की लड़ाई लड़ते हुए। मैंने अखबार में पढ़ा कि तिवारी जी ने 27 मार्च को यहां एक सम्मेलन बुलाया है विंध्यप्रदेश राज्य के लिए, मैं चला आया। मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि मेरा विंध्यप्रदेश से बहुत ही ताल्लुक रहा है। जब मैं कांग्रेस में था तो जीवन भर सहयोग रीवा से ही मिला। जब मैं समाजवादी दल में आया तो तिवारी जी, जोशीजी, शास्त्री जी, और भी साथी जो आज नहीं हैं उनके साथ काम करने को मिला। सबने विंध्यप्रदेश के लिए लड़ाई लड़ी, विंध्यप्रदेश बन गया, विंध्यप्रदेश मिट गया..!

इतना जरूर चाहता हूँ और जो कहना चाहता हूँ कि जो दिक्कतें, परेशानियां, आपकुछ लोग महसूस करते हैं, ऐसे प्रांत की रूपरेखा आप रखें जिसमें जो पीड़ित है, पददलित है, परेशान है, जिनके झोपड़े नहीं हैं , खाने को दाना नहीं है जैसे स्वाराज के बाद ऐसा महसूस हुआ था, हमारा राज्य ऐसा हो गया। अँग्रेजी राज्य चला गया। इसलिए विंध्यप्रदेश बनने के बाद नीचे से लेकर ऊँचे तक सभी साथियों को बड़ी प्रसन्नता हो, खुशहाली हो, परेशानी न हो।

पुनरोदय का संघर्ष-विंध्यप्रदेश से

विंध्यप्रदेश के पुनरोदय की आकांक्षा दिनों दिन प्रबल होती जा रही है। रीवा से लेकर भोपाल तक कई संगठन सक्रिय हैं। युवाओं और छात्रों को अब ऐसा महसूस होने लगा है कि हमारा हक मारा गया। हमें साजिशन पीछे किया गया। श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी की पहलपर विधानसभा में पारित हुआ संकल्प अभी भी लोकसभा में जिंदा है। 21 जुलाई 2000 को लोकसभा में रीवा सांसद सुंदरलाल तिवारी ने इस संकल्प की याद दिलाई थी। तब तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण अड़वाणी ने इसके परीक्षण की बात कही थी।

विंध्यप्रदेश लक्ष्मीनारायण नायक का सपना था, शास्त्री ने इस हेतु खुद को होम दिया, श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी की हर स्वाँस में विंध्यप्रदेश बसा था, जगदीश चंद्र जोशी की आखिरी अभिलाषा विंध्यप्रदेश का पुनरोदय था..।

नायकजी विंध्यप्रदेश की आकांक्षा के प्रबल स्वर थे..। उनकी स्मृतियां यहां की भूमि, नदी-तलाबों, वनप्रांतरों में बसी हैं। वे सुचिता की राजनीति की पराकाष्ठा थे। आइए हम सब नायकजी को नमन करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने की ओर बढ़े।

संवेदना जो असहजता का प्रतीक बन गई

राकेश दुबे

यह पत्थर पर लिखी इबारत है कि शहीदों के बलिदान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती, फिर भी जितनी कीमत लगे उतनी कम होती है। सवाल इस सहायता का नहीं है, सवाल उस असंवेदनशील प्रदर्शन का है जो इस सहायता के साथ जुड़ गया है। दुर्भाग्य है राजनेता इसे भोंडा प्रदर्शन बनाने पर उतारू हैं।वाक़या आगरा में घटा,सत्ताईस वर्षीय कैप्टन शुभम गुप्ता का गृह स्थान है आगरा। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकवादियों से हुई मुठभेड़ में इस युवा जांबाज ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर अपनी माटी का कर्ज चुकाया था। उनका शव अभी पहुंचा नहीं था। पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री पहुंच गये थे। उनके साथ स्थानीय विधायक भी थे। घर में कोहराम मचा हुआ था।

कैप्टन शुभम की बिलखती मां संभाले नहीं संभल रही थीं। और मंत्री जी उन्हें शासन की ओर से पचास लाख रुपये का चेक देने पर आमादा थे। वे चेक ही नहीं देना चाह रहे थे, दुखिया मां को चेक देते हुए एक फोटो भी खिंचवाना चाहते थे। मंत्री जी वह चेक मां के हाथ में देना चाहते थे और मां के हाथ मातम मना रहे थे। मां को जबरन चेक देने की कोशिश का वह वीडियो अवश्य वायरल हो गया। बिलखती मां यह कहती ही रह गयी, 'मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, मुझे मेरा बेटा लौटा दो।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पहले ही यह घोषणा कर चुके थे कि शहीद कैप्टन को इस राशि के अलावा उनके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जायेगी। शहीदों के बलिदान की कोई कीमत नहीं लगायी जा सकती, फिर भी जितनी कीमत लगे उतनी कम होती है। सवाल इस सहायता का नहीं है, सवाल उस असंवेदनशील प्रदर्शन का है जो इस सहायता के साथ जुड़ गया है। शव पहुंचने से पहले चेक पहुंचना क्यों ज़रूरी था? चेक को मां के हाथों में सौंपना भी मंत्री महोदय को क्यों ज़रूरी लगा?

और क्यों ज़रूरी था उसका वीडियो बनाया जाना? मंत्री महोदय वीडियो क्यों बनवाना चाहते थे, पता नहीं, पर आज यह वीडियो कुल मिलाकर एक असहजता का प्रतीक बनकर रह गया है!जब भी कोई ऐसी घटना घटती है जिसमें जान-माल की हानि होती है, सरकार मुआवजे की घोषणा तत्काल कर देती है। मुआवजा देना ग़लत नहीं है, पर मुआवजे की प्रदर्शनी लगाना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

आखिर ऐसी घोषणाओं का मतलब क्या है? आगरा की यह घटना इसका जो मतलब समझाती है, वह यही है कि ऐसी घोषणाएं करके और ऐसी प्रदर्शनी लगाकर सरकारें संवेदनशीलता का नहीं, संवेदनहीनता का परिचय देती हैं। कैप्टन शुभम गुप्ता के बलिदान पर हर भारतीय को नाज है, लेकिन उनके बलिदान का बदला चुकाने की यह प्रदर्शनी हर भारतीय को व्यथित करती है।

इस मुआवजे या सहायता के पीछे भावना सही भी हो सकती है, पर जो संवेदनहीनता इसमें दिखाई देती है वह अनुचित ही कहलायेगी। पूछा जाना चाहिए कि वह चेक बलिदानी सैनिक की मां को तभी देना क्यों जरूरी समझा गया? और मंत्रीजी को यह क्यों लगा कि इस अवसर का चित्र भी होना चाहिए? इन प्रश्नों का उत्तर यह हो सकता है कि शासन यह संदेश देना चाहता है कि वह बलिदानियों का सम्मान करता है। पर जो संवेदनहीनता इसमें झलक रही है, वह स्पष्ट बताती है कि कहीं न कहीं शासन इसे एक रस्म अदायगी के रूप में ही देखता है।

कैप्टन शुभम की मां की पीड़ा की कल्पना करना आसान नहीं है। वह बार-बार कहती रही हैं, मेरी प्रदर्शनी मत लगाओ, और मंत्री महोदय चाह रहे हैं चेक देते हुए फोटो खींचा जाये। आखिर क्यों? कहां प्रचार कराना चाहते थे मंत्री महोदय?

यह समय प्रचार-बहुल वाला है। हर आदमी हर चीज़ का प्रचार करना चाहता है। जहां तक राजनेताओं का सवाल है ऐसा लग रहा है जैसे उनकी सारी राजनीति प्रचार पर ही टिकी हुई है। फोटो का कोई भी अवसर हमारे नेता छोड़ते नहीं हैं। जो जितना बड़ा नेता है उतनी ही बड़ी उसकी आकांक्षा हो जाती है प्रचार पाने की। नेता मां-बाप से मिलने जाता है तो कैमरामैन उसके साथ होता है, मंदिर जाता है तो उससे पहले फोटोग्राफर वहां पहुंचा होता है। मीडिया वालों की विवशता तो एक सीमा तक समझ आती है, पर हमारे नेता यह क्यों भूल जाते हैं कि उन्हें समाज के सामने एक उदाहरण पेश करना होता है?

झूठ बोले कौआ काटे: लंबित मामले साढ़े 4 करोड़, निपटाने चाहिए 375 साल!

रामेन्द्र सिन्हा

नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) के अनुसार 31 अक्तूबर 2023 तक भारत के जिला एवं तहसील अदालतों में दीवानी और फौजदारी मामलों के कुल 4,45,37,158 (कुल चार करोड़ पैंतालिस लाख सैंतिस हजार एक सौ अट्ठावन) वाद लंबित थे। जबकि, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश मार्कंडेय काटजू ने 2019 में कहा था कि अनुमान है कि यदि कोई नया मामला दायर नहीं किया गया, तो सभी लंबित मामलों को निपटाने में लगभग 360 साल लगेंगे। यह तब की बात है जब कुल लंबित मामलों की संख्या लगभग 3.3 करोड़ थी। इस हिसाब से आज की स्थिति में लंबित मामलों के निपटारे में 375 साल लगें तो आश्चर्य नहीं।

एनजेडीजी के अनुसार जिला एवं तहसील अदालतो में दीवानी के 1,10,81,988 (एक करोड़ दस लाख इक्यासी हजार नौ सौ अट्ठासी) जबकि फौजदारी के 3,34,55,170 (तीन करोड़ चौतीस लाख पछपन हजार एक सौ सत्तर) वाद लंबित हैं। दीवानी के लगभग 58 प्रतिशत से ज्यादा वाद एक वर्ष से पुराने है तथा फौजदारी के लगभग 61 प्रतिशत से ज्यादा वाद एक वर्ष से लंबित हैं। यह संख्या भी लंबित वादों की सही संख्या नहीं मानी जा सकती हैं, क्योंकि इनमें राजस्व न्यायालयों, विभिन्न ट्रिब्यूनल्स एवं विभिन्न फोरम के वादों की संख्या सम्मिलित नहीं हैं।

यही नहीं, सुप्रीम कोर्ट में करीब 60,000 मामले लंबित हैं, जबकि विभिन्न उच्च न्यायालयों में लगभग 42 लाख मामले लंबित हैं। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने भी पिछले दिनों राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि 5.02 करोड़ से अधिक मामले विभिन्न अदालतों ङ्क उच्चतम न्यायालय, 25 उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित हैं। अनुमान है कि हर साल कम से कम पांच करोड़ मामले दायर होते हैं और न्यायाधीश केवल दो करोड़ का ही निपटारा करते हैं।

विभिन्न न्यायालयों में लंबित वादों की समस्या एक ज्वलंत मुद्दा है। भारत में बढ़ती जनसंख्या के साथ ही न्यायालयों में मुकदमों का बोझ भी बढ़ता चला गया, इसी प्रकार विभिन्न विशेष अधिनियमों के आने से फौजदारी वादों की संख्या भी बढ़ती चली गयी। आंकड़े भी बताते हैं कि फौजदारी वादों की संख्या दीवानी वादों की तीन गुना है। इसमें यदि सही तरीके से परीक्षण किया जाए तो यह स्पष्ट हो जायेगा कि 50 प्रतिशत से ज्यादा वाद ऐसे अधिनियम के है जो लघु दण्ड के हैं। फौजदारी वादों में लगभग 90 प्रतिशत वारंट या समन आपराधिक वाद हैं और लगभग 8 प्रतिशत सत्र न्यायालय द्वारा परीक्षणीय वाद हैं।

वाद लंबन का मुख्य कारण जनता में बढ़ती हुई जागरुकता और मुकदमेबाज होने की प्रवृत्ति भी है। जैसे ही सरकार ने 'सूचना का अधिकार' और 'शिक्षा का अधिकार' जैसे नए अधिकारों के लिए कानून बनाया, पीड़ित पक्ष तेजी से न्याय के दरवाजे खटखटाने लगे। यही नहीं, न्यायपालिका ने जनहित याचिका जैसे नए उपकरणों का भी आविष्कार किया, जिसके परिणामस्वरूप और अधिक मामले सामने आए। ऐसे वादकारियों की भी कमी नहीं है जो यह जानते हुए कि उनका पक्ष सही नहीं है, फिर भी प्रकरण को मात्र उलझाने के उद्देश्य से न्यायालय में, दीवानी या फौजदारी वाद कर देते हैं। फौजदारी वादों का दुरुपयोग इसमें सबसे ज्यादा होता है।

सरकार की तरफ से या सरकार के द्वारा समय से प्रभावी निर्णय न लेने के कारण उनके विरूद्ध भी, वाद योजित होते है। यह एक ऐसा बिन्दु है जिसके सम्बन्ध में केन्द्र एवं राज्य सरकारों को निश्चित रुप से मंथन करना चाहिए।

दीवानी न्यायालयों में, जहां दीवानी एवं फौजदारी वादों की सुनवाई होती है, प्रथमतया तो पर्याप्त अवसर ही नहीं है और है भी तो इन्फ्रास्ट्रक्चर समुचित नहीं है। बहुत से जिला मुख्यालयों पर तो न्यायिक भवन आज भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति में न्यायिक अधिकारी जिस अवस्था में बैठकर कार्य करते हैं उनसे किसी अतिरिक्त कार्य की अपेक्षा करना अनुचित है। सबसे पहले केन्द्र एवं राज्य सरकार को इस बिन्दु पर ध्यान देना चाहिए की जितने न्यायालय स्वीकृत हैं प्रत्येक जिले में उतने समुचित न्याय कक्ष भी हों।

इसके अतिरिक्त न्यायालयों में पर्याप्त कर्मचारी भी नहीं हैं। आधे से ज्यादा अधिकारियों के पास स्टेनो तक नहीं है। संभव है कि प्रत्येक प्रदेश की यह स्थिति न हो लेकिन देश के ज्यादातर प्रदेशों में यही स्थिति है। इसी प्रकार दीवानी न्यायालयों में न्यायाधीशों की कमी भी उल्लेखनीय है। न्यायालयों का गठन हो जाता है उसके बाद भी उनमें अधिकारियों की नियुक्ति नहीं हो पाती है और अगर होती भी है तो पहले से ही किसी अन्य स्थान पर कार्यरत अधिकारी को नए न्यायालय में तैनात कर दिया जाता है। अव्वल तो नये न्यायालय सृजित करते समय नये पद भी पीठासीन अधिकारी के सृजित नहीं होते हैं और यदि अधिकारी के पद कदाचित सृजित भी हो गए तो स्टाफ के पद सृजित नहीं किये जाते।

समय-समय पर वादों की लंबित संख्या को देखते हुए नये-नये ट्रिब्यूनल एवं फोरम का गठन कर दिया गया लेकिन अगर देखा जाए तो उससे भी परिस्थितियों में कोई अन्तर नहीं आया। फोरम एवं ट्रिब्यूनल में सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों

को और उनके साथ मेम्बर्स को तैनात किया जाता है, जबकि वही अधिकारी सेवा में है तो वहीं रहते हुए वह उस कार्य को क्यों नहीं कर सकता है? सेवा निवृत्त अधिकारियों को पुन: नियोजित कर अगर उनसे कार्य लिया जा सकता है तो न्यायिक अधिकारियों का सेवाकाल ही क्यों नहीं बढाया जा सकता है?

न्यायालय में जो कार्य होता है उसी प्रकार से फोरम एवं ट्रिब्यूनल में भी वादों का निस्तारण किया जाता है लेकिन उनके निष्पादन की अलग समस्याएं होती हैं। यहां, यह भी उल्लेखनीय है कि आर्थिक रुप से देखा जाए तो वर्तमान में जितने फोरम एवं ट्रिब्यूनल कार्यरत हैं और उसमें अधिकारी/कर्मचारी एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर पर जो खर्च किया जा रहा है, उसके एक बहुत छोटे हिस्से से दीवानी न्यायालयों में समस्त सुविधाओं के साथ अतिरिक्त पद सृजित करके वाद का प्रभावी निस्तारण कराया जा सकता है। सेवारत अधिकारी की जिम्मेदारी होती है और जिस गंभीरता से वह कार्य करता है वह निश्चित रुप से सराहनीय है परन्तु सेवानिवृत्त होने के उपरान्त ज्यादातर अधिकारियों में वह प्रतिबद्धता नहीं रह जाती है।

यही नहीं, फोरम तथा ट्रिब्यूनल में अधिकारी नियुक्ति भी हमेशा से विवाद का एक मुद्दा रहा है। कारण कि उसमें उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के साथ राज्य एवं केन्द्र सरकार का भी हस्ताक्षेप रहता है। एक बार यदि फोरम या ट्रिब्यूनल में कोई अधिकारी का पद खाली हो जाता है तो महीनों या कई-कई बार कई-कई सालों तक उसमें अधिकारी की तैनाती नहीं हो पाती है। ऐसी व्यस्था से क्या लाभ? वाद तो वाद है, वह चाहे दीवानी में हो या फोरम में हो या ट्रिब्यूनल में हो उनका निस्तारण होना ही चाहिए। कदाचित किन्हीं परिस्थितियों में दीवानी न्यायालय के क्षेत्राधिकार को सीमित करते हुए कई प्रकार के वादों को फोरम एवं ट्रिब्यूनल को दे दिया गया लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। कुछ ट्रिब्यूनल में टेक्निकल मेंबर्स भी होते हैं, अत: यह तर्क दिया जा सकता है कि वादों के प्रभावी निस्तारण के लिए टेक्निकल मेंबर्स की आवश्यकता है।

अब जरा इस तथ्य पर भी गौर करें। ट्रिब्यूनल एवं फोरम के निर्णय भी उच्च न्यायालय जाते है जहां दीवानी न्यायालय से आये न्यायाधीश या अधिवक्ता वर्ग से आये माननीय न्यायमूर्ति होते हैं, लेकिन उनकी सहायता के लिए टेक्निकल मेंबर्स नही होते। तो, टेक्निकल एडवाइजर के रुप में कार्य करने वालों का एक अलग से समूह न्यायालयों के लिए क्यों नहीं बनाया जा सकता है, जो समय-समय पर आवश्यकतानुसार न्यायालय का शंका-समाधान करें। मेरी दृष्टि में यथा सम्भव, समस्त, ट्रिब्यूनल एवं फोरम को समाप्त कर सभी क्षेत्राधिकार दीवानी न्यायालय में निहित कर देना चाहिए और दीवानी न्यायालय प्रणाली को और मजबूत किया जाना चाहिए।

एक तरफ, लंबित वादों की संख्या चिंता का विषय है। इसके बावजूद लगभग सभी प्रदेशों में हायर ज्यूडिशियल सर्विस की परीक्षा उच्च न्यायालय द्वारा संपादित करायी जाती है। इसके अतिरिक्त बहुत से उच्च न्यायालयों द्वारा पी.सी.एस.(जे.) स्तर के न्यायाधीशों की भर्ती की कार्यवाही भी की जाती है। यह अत्यन्त विचित्र परिस्थिति है। केन्द्र में यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन एवं राज्यों में राज्य पब्लिक सर्विस कमीशन बने हैं, फिर यह परीक्षाएं सर्विस कमीशन के माध्यम से क्यों नहीं करायी जाती हैं।

वह न्यायाधीश जिनका कार्य मुकदमों को निपटाना है, उनमें से एक अच्छा प्रतिशत पूरा समय इन्हीं परीक्षाओं को आयोजित कराने के कार्यक्रम में लगा रहता है। न्यायाधीश के लिए जो कार्य बना है उन्हें वही कार्य करने दें तो उचित होगा। इसके अतिरिक्त बहुत से प्रदेशों में न्यायालयों के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती का कार्य भी उच्च न्यायालय द्वारा किया जा रहा है, जबकि इसके लिए अलग से आयोग प्रदेशों में बने हुए हैं।

ऐसे समय में जब न्यायाधीशों की संख्या कम है, न्यायालयों, खासकर उच्च न्यायालयों में छुट्टियों की सीमा घटाने और ड्यूटी का समय बढ़ाने पर भी गौर किया जाना चाहिए। भारत के 49वें मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यू यू ललित तो दो साल पहले बतौर न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट सुबह साढ़े नौ बजे ही कोर्ट आ धमके और एक सुनवाई के दौरान कहा कि जब हमारे बच्चे सुबह सात बजे स्कूल जा सकते हैं तो हम लोग नौ बजे कोर्ट क्यों नहीं आ सकते? पुराने कानून, कानूनों का दोषपूर्ण या अस्पष्ट मसौदा तैयार करना और विभिन्न अदालतों द्वारा उनकी कई व्याख्याएं भी लंबे समय तक मुकदमेबाजी का कारण हैं।

अनेक बार, अधिवक्तागण का असहयोग एवं समय-समय पर होने वाली हड़ताल भी मामले लंबित करने में सहायक है। अधिवक्ता गण द्वारा जिलों में जो हड़ताल की जाती है वह बार कौंसिल की अनुमति के बिना नहीं होनी चाहिए और यदि बिना बार कौंसिल की अनुमति के हड़ताल की जाती है तो ऐसी स्थिति में बार कौंसिल को निर्धारित प्रावधानों के अन्तर्गत कार्रवाई करनी चाहिए। बार कौंसिल को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए की यदि तीन या पांच से ज्यादा हड़ताल किसी भी जिले की बार एसोसिएशन के द्वारा बार कौंसिल की पूर्व अनुमति के बिना की जाती है तो उस अवस्था में राज्य की बार कौंसिल उस बार एसोसिएशन का पंजीयन निरस्त करके उसकी मान्यता समाप्त कर दे।

लंबित मामलों में इतनी उल्लेखनीय वृद्धि के पीछे एक कारण न्याय वितरण प्रणाली की नई चुनौतियों के अनुकूल ढ़लने और तेजी से डिजिटल प्रारूप और ई-कोर्ट प्रणाली की ओर स्थानांतरित होने में असमर्थता है। हालांकि, कोई भी समस्या ऐसी नहीं होती है जिसका कोई हल न हो। आवश्यकता तो सिर्फ प्रतिबद्धता और इच्छाशक्ति की है, तस्वीर बदलते देर नहीं लगेगी और न्यायालयों में लंबित मामलों की समस्या जड़ से समाप्त हो जाएगी।

और ये भी गजब: तारीख़ पे तारीख़, तारीख पे तारीख्ज्जज साहब। बॉलीवुड फ़िल्म दामिनी में सनी देओल का ये डायलॉग तो आप सभी को याद ही होगा। दो साल पहले की मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक ऐसा मामला भी हुआ जो 219 साल से पेंडिंग था। अभी क्या स्थिति है नहीं मालूम, लेकिन यह लचर न्यायिक प्रणाली की एक बानगी है। कलकत्ता हाई कोर्ट भारत का पहला हाई कोर्ट था, जिसकी स्थापना 1862 में हुई थी। 1 जुलाई 1862 में जब इसकी स्थापना हुई, तब इसे फोर्ट विलियम हाई कोर्ट के नाम जाना जाता था। सर बैरन्स पिकॉक इसके पहले चीफ जस्टिस थे। इसी हाई कोर्ट में रजिस्टर्ड केस नंबर, स्ज्ञ/1/1800 भारत का सबसे पुराना केस माना जाता है, जिसे पहली बार 1800 में निचली अदालत में दर्ज किया गया था। इस मामले की फाइलें करीब 170 साल तक निचली अदालत में लंबित थीं। बाद में इसे शीघ्र निपटान के लिए 1.1.1970 को कोलकाता उच्च न्यायालय में पंजीकृत किया गया था, लेकिन उच्च न्यायालय में भी, यह कछुए की चाल चलता रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

शिवानी पैरामेडिकल मे छात्र-छात्राओं ने किया गया रक्तदान

शहडोल 7 खून का रिश्ता दुनिया का सबसे अद्भुत रिश्ता माना जाता है और खून की कुछ बूंद का दान करके आप अनजाने को भी खून के रिश्ते से जोड़ सकते हैं यह सारी बातें रक्तदान कर रहे बच्चों के समक्ष पैरामेडिकल संचालक डॉ डी के द्विवेदी ने अपने उद्बोधन मे कही । जिले में विगत दिनों शिवानी पैरामेडिकल शहडोल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें संस्था में अध्यनरत छात्र-छात्राओं सहित संस्था के संचालक द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और 56 यूनिट रक्तदान किया 7 बच्चो की हौसलाफजाई करते हुए जिला चिकित्सालय ब्लड बैंक की इंचार्ज डॉ सुधा नामदेव ने कहाँ की रक्तदान का महत्व जीवन में कम नहीं है,परंतु आज भी समाज में रक्तदान को लेकर के कई तरह की भ्रांतियां फैली है जबकि सामान्य रूप से स्वस्थ व्यक्ति 18 वर्ष से लेकर के 60 वर्ष तक रक्तदान कर सकता है 7 उन्होंने कहा कि आप हम सभी की जिम्मेदारी है कि रक्तदान का महत्व समझे और सभी को समझाएं 7 कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संस्था के संचालक डॉ डी के द्विवेदी सहित डॉ रूद्र द्विवेदी,आदित्य श्रीवास्तव,राजेश सिंह,संजय गुप्ता, रजनीश त्रिपाठी,प्रिया तिवारी, पारस सोंधिया सहित भारी संख्या मे शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टॉफ मौजूद रहा 7

उप संचालक जीएस मर्सकोले मीडिया सेंटर हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

शहडोल - अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री रोमोनुस टोप्पो ने आदेश जारी कर कहा है कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना हेतु पॉलीटेक्निक कालेज शहडोल में मतगणना स्थल पर बनाए गए मीडिया सेंटर की व्यवस्थाएं हेतु उप संचालक जनसम्पर्क शहडोल श्री जी.एस. मर्सकोले को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही उप संचालक जनसम्पर्क शहडोल विधानसभा निर्वाचन 2023 के मतगणना दिनांक 03 दिसम्बर 2023 को मीडिया सेंटर में मीडिया कर्मियों के बैठने सहित अन्य व्यवस्थाएं एवं काउण्टिग हाल में समय-समय पर मीडिया कर्मी को विधानसभा वार भ्रमण कराने एवं उन्हें मतगणना के दौरान राउंडवार परिणामों से अवगत कराने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। जारी आदेश में कहा गया है कि उप संचालक जनसम्पर्क श्री जी एस मर्सकोले मीडिया कर्मियों के मोबाईल को सुरक्षित रखने की भी व्यवस्था सुनिश्चत करेंगे।

विधानसभा निर्वाचन मतगणना तैयारियों की जिला निर्वाचन अधिकारी दुबे ने की समीक्षा

औबेदुल्लागंज । मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 अंतर्गत जिले की चारों विधानसभाओं के लिए हुए मतदान की मतगणना 03 दिसम्बर 2023 को रायसेन स्थित शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में की जाएगी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे द्वारा मतगणना हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही डाक मतपत्रों तथा ईवीएम मतों की गणना प्रक्रिया और सम्पन्न की जाने वाली कार्यवाहियों के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ तथा सांची विधानसभा की रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, अपर कलेक्टर अभिषेक दुबे, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से उदयपुरा विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी संतोष मुदगल, भोजपुर विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी चन्द्रशेखर श्रीवास्तव तथा सिलवानी विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी सौरभ मिश्रा सहित सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

मतगणना तैयारियों के संबंध में राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों की बैठक आज

छतरपुर,। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों और अभ्यर्थियों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार 01 दिसम्बर को प्रातः 11:30 बजे से आयोजित की गई है। यह बैठक विधानसभा निर्वाचन 2023 की 3 दिसम्बर को होने वाली मतगणना की तैयारी के संबंध में आयोजित की गई है। सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष और अभ्यर्थियों से बैठक में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया।

लोकल के लोगों का टोल कटेगा क्योंकि एनएच का मामला !

राज्य सरकार के किसानों की जमीनों पर अनाधिकृत अधिग्रहण कर वसूल रहे टोल

औबेदुल्लागंज । किसानों को उनकी भूमि अधिग्रहण कर उनके उचित मुआवज़े के लिए अदालतों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं वहीं,

किसानों का ज़मीनों का मिट्टी मोल से अधिग्रहण कर शासन द्वारा टोल बना दिए गए। किसानों के साथ आम स्थानीय लोगों से इलेक्ट्रॉनिक डिवाइज का नाका लगाकर टोल वसूला जा रहा है। हमारी बात नये टोल संचालित कर रहे केसीसी टोल कंपनी (महाराष्ट्र) से हुई। अंग्रेज़ी में एक कागज़ दिखाकर उनका कहना था कि टोल के नियम आपके सामने हैं। टोल 04 महीनों से घाटे में चल रहा है, मतलब आपको अपनी गाड़ी में औबेदुल्लागंज से कहीं भी सफर करने के लिए 40 रुपये टोल चुकाना ही होगा। टोल के ज़िम्मेदार ने दो टूक कह दिया कि हम बैरियर नही हटा सकते वही, हमारी बात एसडीएम गौहरगंज चंद्रशेखर श्रीवास्तव से हुई तो, उन्होंने कहा हम 04 तारीख को उन्हें बुलाते हैं। सवाल यह उठता है कि लोडिंग के सिवा आम इंसान जो टेक्स पेयर है उसका टोल किस बात का काटा ज रहा है, जबकि सरकार को चार पहिय्या घरेलू वाहनों को हर जगह टोल फ्री कर देना चाहिए लेकिन प्रदेश में 03 तारीख को सरकार बनेगी तभी सब स्पष्ट होगा। खैर, लोकल के मध्यमवर्गीय की परेशानियों में बढ़ोतरी हुई है।

छह विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गणना 112 टेबल पर होगी

खरगौन। विधानसभा चुनाव-2023 के अंतर्गत 17 नवंबर को मतदाताओं द्वारा डाले गये मतों की गणना 03 दिसंबर 2023 को पीजी कॉलेज खरगोन में की जाएगी। मतगणना के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं और प्रत्येक कक्ष में मतगणना के लिए 14-14 टेबल लगाए गए हैं।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-181 भीकनगांव के 266 मतदान केन्द्रों की मतगणना 19 राउंड में पूरी होगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-182 बड़वाह के 249 मतदान केन्द्रों में से 238 केन्द्रों की गणना 17 राउंड में एवं 11 केन्द्रों की गणना अंतिम 18 वें राउंड में होगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-183 महेश्वर के 250 मतदान केन्द्रों में से 238 की गणना 17 राउंड में एवं 12 केन्द्रों की गणना अंतिम 18 वें राउंड में होगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-184 कसरावद के 253 मतदान केन्द्रों में से 252 की गणना 18 राउंड में तथा 01 मतदान केन्द्र की गणना अंतिम 19 वें राउंड में होगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-185 खरगोन के 255 मतदान केन्द्रों में से 252 केन्द्रों की गणना 18 राउंड में तथा 03 केन्द्रों की गणना अंतिम 19 वें राउंड में होगी। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-186 भगवानपुरा के 268 मतदान केन्द्रों में से 266 केन्द्रों की गणना 19 राउंड में तथा 02 केन्द्रों की गणना अंतिम 20 वें राउंड में पूरी होगी। विधानसभा चुनाव-2023 के अंतर्गत चुनाव कार्य में नियुक्त शासकीय सेवकों को डाकमत पत्र से मतदान की सुविधा प्रदान की गई है। जिले के छः विधानसभा क्षेत्र के डाकमत पत्रों की गणना आगामी 03 दिसंबर को पीजी कॉलेज खरगोन में की जाएगी। डाकमत पत्र की गणना के लिए विधानसभा क्षेत्र-181 भीकनगांव में 02 टेबल, विधानसभा क्षेत्र-182 बड़वाह में 03 टेबल, विधानसभा क्षेत्र-183 महेश्वर में 03 टेबल, विधानसभा क्षेत्र-184 कसरावद में 03 टेबल, विधानसभा क्षेत्र-185 खरगोन में 04 टेबल एवं विधानसभा क्षेत्र-186 भगवानपुरा में 03 टेबल लगाई जाएगी।

एनटीपीसी खरगोन में मनाया गया विश्व गुणवत्ता माह 2023

गुणवत्ता माह विभिन्न उद्योगों में गुणवत्ता प्रबंधन के महत्व को उजागर करने के लिए नवंबर में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है। इस महीने के दौरान, दुनिया भर के व्यवसाय और संगठन सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने, उपलब्धियों का उत्सव मनाने और गुणवत्ता प्रबंधन के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ आते हैं।हृङ्गक्ष्ट भारत की अग्रणी विद्युत उत्पादन कंपनी है। विद्युत उत्पादन के अलावा एनटीपीसी अन्य क्षेत्रों - कोल माइनिंग, न्यूक्लियर पावर, ट्रेडिंग, अक्षय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, इलैक्ट्रिक वेहिकले इत्यादि में भी है।सम्पूर्ण गुणवत्ता एवं सुरक्षा(ञ्जशह्लड्डद्य ह्नह्वड्डद्यद्बह्ल4 ड्ठुस्र ह्यड्डद्धद्गह्ल4) और नवप्रवर्तन एव ज्ञानार्जन (द्बठ्ठठ्ठश1ड्डह्लद्बशठ्ठ × द्यद्गड्डह्लठ्ठद्बठ्ठद्द) हमारी की 2 मूल मान्यताये भी है। जो एनटीपीसी टीम को सम्पूर्ण गुणवत्ता प्राप्त करने में तथा प्रकियाओ से सीखने और कुछ नया करने की प्रेरणा देता है. विश्व गुणवत्ता सप्ताह 2023 का विषय था- गुणवत्ता है- अपनी प्रतिस्पर्धी क्षमता का एहसास । 9 नवम्बर 2023 को विश्व गुणवत्ता दिवस के अवसर पर गुणवत्ता शपथ ली। विभिन्न अवसरो पर एचओपी सुभाषिस बोस , महाप्रबंधक (प्रचालन) वी मोहन , महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाय) -पी के लाड , महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) अजय सिंह यादव , अपर महाप्रबंधक (एफ़क्यूए/बीई) जी एस यादव ने अधिकारियों और कर्मचारियो को संबोधित किया ।

विश्व गुणवत्ता माह 2023 के अवसर पर क्विज, नारा (स्लोगन) और निबंध प्रतियोगिता आदि का आयोजन कर्मचारिओ और महिलाओ के लिए किया गया जिसमे सबने बड़ चड़ कर हिस्सा लिया ।

कांट्रैक्ट कर्मचारियो को एनटीपीसी क्यूएमएस सिस्टम, टेस्टिंग मेथड्स, डॉक्युमेंटेशन आदि के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया । उत्कृट्स कार्य के लिए पुरष्कार प्रदान किए।

महिला मतगणना पर्यवेक्षक और मतगणना सहायक को मतगणना का प्रशिक्षण दिया गया

मतगणना दल में महिलाओं की भी होगी भागीदारी

छतरपुर,। जिले में विधानसभा निर्वाचन में मतदान 17 नवम्बर 2023 को संपन्न हुआ था। इसकी मतगणना 3 दिसम्बर को की जाएगी। जिले में मतगणना सुचारू और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. के निर्देशानुसार महिला गणना सहायक और पर्यवेक्षकों का एक दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को शा. उ.मा. विद्यालय क्र. 02 छतरपुर में दिया गया। प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश और प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मतगणना की बारीकियों और सावधानियां के विषय में बताया गया। प्रशिक्षण राज्य स्तरीय ट्रेनर व्योम जॉर्ज और रघुवंश गुरुदेव द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में 61 गणना सहायक और 29 गणना पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर बताया गया कि मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, स्मार्ट वॉच निषेध रहेगी।

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ खुशियों की पाठशाला के पहले चरण का हुआ समापन

अगले सप्ताह से होगी दूसरे चरण की शुरुआत

पठापुर/ सेवा ही संकल्प समिति द्वारा बुधवार को शास.हाई स्कूल परिसर ग्राम पठापुर में खुशियों की पाठशाला के प्रथम चरण का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पाठशाला में भाग लेने वाले बच्चों ने प्रस्तुतियां दीं । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शास.हाई स्कूल पठापुर प्राचार्या मालती चौरसिया तथा बतौर अतिथि नीलम बाला सिंह, आशा दीक्षित, नीता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं । मंच संचालन नवदीप पाटकर तथा आभार प्रदर्शन कृष्णकांत मिश्रा द्वारा किया गया

समिति के अमेय तिवारी ने बताया कि ग्रामीण अंचल के बच्चों के समग्र विकास एवं उन्हें कलात्मक गतिविधियों में उन्मुख करने हेतु समिति द्वारा खुशियों की पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसका पहला चरण ग्राम पठापुर में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में अच्छी प्रस्तुति देने वाले तथा सबसे सुंदर पेंटिंग बनाने वालों बच्चों को उपहार एवं समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए । कार्यक्रम में समिति से अमेय तिवारी, लोकेश पुष्पकार, अभिषेक रावत, लखन अहिरवार, अंशुल साहू, चिराग सोनी, राजकुमार अहिरवार, सत्यम सिंह सोलंकी, प्रिंस गुप्ता उपस्थित रहे ।

खाद्य अधिकारी की नाक के नीचे मिलावटी सामान बिक्रय करने वालों की चांदी ही चांदी

सिरोंज। नगर में जिस तरह से खाद्य अधिकारी की नाक के नीचे कालाबाजारी और मिलावटी सामान सामान का विक्रय हो रहा है ऐसा नहीं है कि इस बात को कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं जानता है अफसोस इस बात का है कि सब कुछ जानते समझते हुए भी अधिकारियों की निष्क्रिय कार्यप्रणाली का खामियाजा आम आदमी को भुगतना पड़ रहा है, खाद्य अधिकारी के द्वारा सारे कार्य जैसे कि निरीक्षण करना आदि सब ऑफिस में बैठकर पूरे कर लिए जाते हैं। कभी किसी पेट्रोल पंप का निरीक्षण नहीं करती किसी खाद्य दुकान पर जाकर खाद्य सामान जांच नहीं करती मिष्ठान भंडारों होटलों पर कभी नहीं जाती, जबकि शहर में अनेकों होटलों पर घरेलू गैस का उपयोग किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ गैस रिफिलिंग का कार्य भी धड़ल्ले से किया जा रहा है, जोकि इनको दिखाई नहीं देता है क्योंकि यह सब गांधी छाप चश्मे का कमाल है। जिसका फायदा उठा रहे नगर में मिलावटी सामान बेचने वाले लेकिन खाद्य अधिकारी ऐसा भूल जाती है कि यह पब्लिक है यह सब जानती है, पिछ्ली दीपावली पर खाद्य अधिकारी की नाक के नीचे सरेआम मिलावटी मिठाई जमकर विक्रय की गई थी और आने वाले त्योहारों पर भी इस प्रकार की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता कि मिलावटी मिष्ठान नहीं बिकेगा।

मतगणना के लिए सीलिंग प्रशिक्षण दिया गया

रतलाम द्ब विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में गुरुवार को सीलिंग टीम को प्रशिक्षित किया गया । इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी डॉ.वाय. के. मिश्रा उपस्थित थे। प्रशिक्षण प्रो. रियाज मंसूरी ने दिया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि गणना के लिए प्रत्येक टेबल पर एक काउंटिंग सुपरवाइजर होगा जो राजपत्रित अधिकारी या उसके समतुल्य रहेगा। एक काउंटिंग असिस्टेंट होगा तथा एक माइक्रो आब्जर्वर होगा। पोस्टल बेलेट की गणना के लिए प्रत्येक टेबल पर एक आर.ओ. होगा। एक काउंटिंग सुपरवाइजर होगा तथा दो काउंटिंग असिस्टेंट होंगे। इसके अलावा एक माइक्रो ऑब्जर्वर भी रहेगा।पोस्टल बेलेट सहित प्रत्येक मतगणना टेबल पर माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किए जाएंगे। माइक्रो आब्जर्वर अपनी गणना टेबल पर कंट्रोल यूनिट का परिणाम पृथक फॉर्मेट में दर्ज करेंगे जो उन्हें प्री प्रिंटेड दिया जाएगा। यदि ऑब्जर्वर एक से अधिक विधानसभा क्षेत्र या गणना हाल की गणना देख रहे हैं तो इस दशा में सामान्य प्रेक्षक के साथ टेबुलेशन हेतु अटैच माइक्रो आब्जर्वर प्रेक्षक की ओर से टेबुलेशन शीट पर हस्ताक्षर करेंगे तथा जब प्रेक्षक आएंगे तो वह टेबुलेशन शीट पर प्रति हस्ताक्षर करेंगे। सामान्य प्रेक्षक के साथ अटैच दो माइक्रो आब्जर्वर को जो जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी उनमें कंप्यूटर डाटा एंट्री सही की जा रही है, इस पर निगरानी, कंप्यूटर डाटा एंट्री का मिलान, टेबलवार माइक्रो आब्जर्वर से प्राप्त फॉर्मेट से सत्यापन करेगी। तीसरा माइक्रो आब्जर्वर राउंडवार रैंडमली चयनीत दो कंट्रोल यूनिट की समानांतर गणना में सामान्य प्रेक्षक को सहयोग करेगा।।

प्रशिक्षण में बताया गया कि मतगणना के प्रत्येक राउंड में रैंडमली गिनती में पर्यवेक्षक की सहायता के लिए दो अतिरिक्त कर्मचारी नियुक्त की जाएंगे। इस टेबल में दो मतगणना कर्मचारी होंगे जो पर्यवेक्षक को मतगणना की शुचिता की जांच करने में सहायता करेंगे। प्रत्येक राउंड के पूरा होने के बाद पर्यवेक्षक रैंडमली रूप से उसी राउंड में गिने गए दो कंट्रोल यूनिट का चयन करेंगे। इन कंट्रोल यूनिट को टेबल पर लाकर अतिरिक्त मतगणना कर्मचारियों को मुहैया कराया जाएगा। मतगणना का परिणाम इन कर्मचारियों द्वारा चयनित कंट्रोल यूनिट से रिजल्ट बटन दबाकर जांचा जाएगा। मतों का यह उम्मीदवारवार परिणाम प्रदान किए गए प्रोफार्मा में दर्ज किया जाएगा। यह रिपोर्ट केवल पर्यवेक्षक को सौंपी जाएगी।

प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रत्येक गणना हाल में राउंडवार अभ्यर्थीवार प्राप्त मतों के परिणाम को प्रदर्शित करने के लिए बोर्ड आदि की व्यवस्था रहेगी। बोर्ड पर पहले से ही राउंड की संख्या एवं अभ्यर्थियों के नाम दर्ज किए जाएंगे। आंकड़ों की राउंड सीट पर प्रेक्षक के हस्ताक्षर होने तथा आर.ओ. द्वारा राउंड के परिणाम की घोषणा के उपरांत बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाएगा। बताया गया कि 2 दिसंबर को आर्ट एंड साइंस कॉलेज में माइक्रो आब्जर्वर, गणना सहायक तथा गणना पर्यवेक्षक आदि का द्वितीय प्रशिक्षण आयोजित होगा। उपरोक्त प्रशिक्षण में सम्मिलित होने वाले अधिकारी, कर्मचारी अपने दो-दो फोटो साथ लेकर आएंगे।

अयोध्या श्रीराम मंदिर से अक्षत कलश पहुंचे बैरसिया

भव्य स्वागत के साथ हुआ हवन पूजन ,नगर में निकाली भव्य शोभा यात्रा

बैरसिया।। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले देश भर में उत्सव का माहौल है। इसी बीच अक्षत कलश बैरसिया पहुंचा। विश्वहिंदू परिषद बंजरग दल ने श्रीराम मंदिर अयोध्या से आए अक्षत कलश की पूजा अर्चना कर भव्य स्वागत किया।

नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

अयोध्या श्रीराम मंदिर से आए अक्षत कलश की पूजा अर्चना करने के बाद विश्वहिंदू परिषद बजरंगदल द्वारा नगर में शोभा यात्रा निकाली गई।शोभा यात्रा नगर के साँवलिया मंदिर से प्रारम्भ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई राम जानकी मंदिर महाराणा प्रताप नगर पहुंची।यहाँ हवन पूजन हनुमान चालीसा के पाठ के बाद प्रसाद वितरण के साथ संपन्न हुई।

शोभा यात्रा का नगर के अनेक धार्मिक राजनैतिक सामाजिक संगठनों के अलावा नगर की जनता ने पुष्प बर्षा कर जोरदार स्वागत किया।विश्वहिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष झनक सिंह राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि यह अक्षत कलश अयोध्या श्रीराम मंदिर से आए है।अब यह अक्षत कलश घर घर जाएंगे।इसका उद्देश्य है हर व्यक्ति को श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जाने का निमंत्रण देना है।उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन के आरंभ से लेकर आज मंदिर निर्माण की बेला तक पांच सौ बर्षो तक चले अनवरत संघर्ष की गाथा को सुनते हुए कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन में अनवरत चले संघर्ष मे लाखो हिन्दू बीरो के बलिदान के उपरांत अनंत ता वेदों में वर्णित अयोध्या का स्वरूप साकार होने जा रहा है।

विश्वहिंदू परिषद के जिला उपाध्यक्ष उदय सिंह दांगी ने बताया कि आज हम सभी के द्वारा श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र से आए अक्षत कलश का पूजन किया जा रहा है।इसके बाद 1 जनवरी से 15 जनवरी तक घर घर द्वार द्वार पहुंचकर प्रत्येक गली मोहल्लों व वस्ती में अक्षत पूजन का कार्यक्रम किया जाएगा।विश्वहिंदू परिषद बजरंग दल की मंशा है कि इस स्वर्णिम बेला में सभी हिन्दू जन मानस की सहभागिता हो और 22 जनवरी को होने बाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रत्येक गली मोहल्लों के मंदिरों में दिखाया जाए।उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सभी अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ से इस पुण्य कार्य मे सहभागी बनने का आव्हान किया है।

विश्वहिंदू परिषद के जिला मंत्री जितेन्द्र मीणा द्वारा आगामी कार्यक्रमो की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में संगठन के कार्यकर्ता प्रखंड स्तर उप प्रखंड स्तर पर तक पूजित अक्षत कलश के वितरण का कार्यक्रम प्रत्येक वस्ती पर आयोजित कर हिन्दू समाज के हर वर्ग के प्रत्येक परिवार को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने का निमंत्रण दिया जाएगा।अयोध्या श्रीराम मंदिर से आए अक्षत कलश पूजन में राम जन्मभूमि के दर्शनार्थ आए हजारों श्रद्धालुओं ने सम्मलित होकर जय जय श्रीराम के उदघोष से बातावरण को गुंजायमान कर दिया।कार्यक्रम का समापन हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ के पश्चात प्रसाद वितरण कर हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ विश्वहिंदू परिषद बजरंगदल के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं नगर की जनता बड़ी संख्या में मौजूद थी।

R.N.I. No. - MPHIN/2015/65325
वर्ष 9 अंक 9 पृष्ठ 23

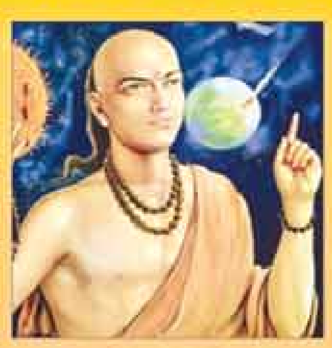

आर्य भट्ट
वेदांग निर्णय सागर
दिसम्बर 2023

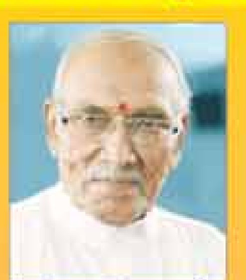

संपादक/पंचांगकर्ता
पं. पी एन भट्ट

श्री विक्रम संवत् २०८०
वीर निर्वाण संवत् २५५०

शक संवत् १९४५
बंगला सन् १४३०

ता.११ संत ज्ञानेश्वर जयंती

ता. १७ विवाह पंचमी (श्री सीता-राम विवाह)

ता. २५ ईसा मसीह जन्मोत्सव

ता. २६ भगवान दत्तात्रेय प्रकटोत्सव

ता.२६ मां अन्नपूर्णा जन्मोत्सव

हिजरी सन 1445, जमादि उलावल मास (5), ता.15 से जमादि उस्मानी (6)

स्वामी/प्रकाशक: पं.पी.एन. भट्ट ज्योतिष शोध एवं समाज सेवार्थ ट्रस्ट, गोपालगंज सागर (म.प्र.) मो. 9407266609

व्रत उपवास त्यौहार

ता.५ काल भैरवाष्टमी, ता.८ उत्पन्ना एकादशी व्रत, ता.१० प्रदोष व्रत, ता.११ शिव चतुर्दशी व्रत, ता.१६ विनायकी चतुर्थी व्रत, ता.१७ विवाह पंचमी, श्री पंचमी, श्रीराम विवाहोत्सव, नाग दिवाली, ता.१८ चम्पा षष्ठी, स्कन्द षष्ठी, ता.१९ नन्दा सप्तमी, ता.२१ महानन्दा नवमी, ता.२३ मोक्षदा एकादशी व्रत, गीता ज. ता.२४ प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी व्रत, ता.२६ भगवन दत्तात्रेय प्रकटोत्सव, स्नानदान व्रत पूर्णिमा, ता.३० गणेश चतुर्थी व्रत।

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता.१ को सूर्योदय से ४/५८ दिन तक। ता.६ को ९/०७ दिन से रा.अं. तक। ता.११ को ११/२६ दिन से रा.अं. तक। ता.१६ को ९/०६ प्रातः से रा.अं. तक। ता.२१ को सूर्योदय से ता.२२ के १०/४२ रात्रि तक। ता.२५ को सूर्योदय से रा.अं. तक। ता.२८ को सूर्योदय से रा.अं. तक। अमृत सिद्धि योग - ता.२५ को ९/२८ रात्रि से रा.अं. तक।

शुभ मुहूर्त

विवाहः ता. ३, ४, ५, ६, ७, ९, १३, १४, १५। मुण्डनः ता.१, ३, ७, ८। कर्णवेधः ता.१, ७, ८। जीर्ण गृहप्रवेशः ता. २, ८, ९। नामकरणः ८, १५, १८, २१, २२, २८, २९। गृहारम्भः ता.८, १५, २१।

जयंतियाँ

ता.३ भोपाल गैस त्रासदी दिवस, ता.४ स्वामी ब्रम्हानंद लोधी जयंती, ता.५ योग अरविन्द पुण्यतिथि, ता.६ डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि, ता.१० शहीद वीर नारायण सिंह बलि. दि. ता.१५ सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्यतिथि, ता.१८ गुरू घासीदास जयंती, ता.१९ गोवा मुक्ति दिवस, ता.२० संत गाडगे महाराज निर्वाण दिवस, ता.२२ श्री रामानुजन जयंती, ता.२३ किसान दिवस, ता.२४ दादा धूनी वाले निर्वाण दिवस, ता.२५ पं. मदनमोहन मालवीय जयंती, पं. अटल बिहारी वाजपेयी जयंती, ता.२७ महाराजा खेतसिंह खंगार जयंती, मिर्जा गालिब जयंती, ता.२९ महाराजा छत्रसाल परधाम दिवस।

ग्रह स्थिति

सूर्यः वृश्चिक राशि में, ता.१६ को ९/२० रात्रि से धनु राशि में। मंगलः वृश्चिक राशि में, ता.२७ को २/१६ रात्रि से धनु राशि में। बुधः धनु राशि में, ता.१३ को १/५० रात्रि से वक्री। ता.२८ को ८/१२ दिन से वृश्चिक राशि में वक्री। गुरूः मेष राशि में वक्री, ता.३१ को ६/४६ शाम से मार्गी। शुक्रः तुला राशि में, ता.२५ को ९/०१ दिन से वृश्चिक राशि में। शनिः कुम्भ राशि में। राहुः मीन राशि में। केतुः कन्या राशि में।

चन्द्र स्थिति

ता. १ को मिथुन का प्रातः १०/१२ से कर्क का। ता. ३ को रात्रि ९/३६ से सिंह का। ता. ६ को प्रातः १०/२२ से कन्या का। ता. ८ को रात्रि ९/५३ से तुला का। ता. १० को रा.अं. ६/१२ से वृश्चिक का। ता. १३ को दिन ११/०५ से धनु का। ता.१५ को १/४४ दिन से मकर का। ता.१७ को ३/४५ दिन से कुम्भ का। ता. १९ को शाम ६/२१ से मीन का। ता. २१ को रात्रि १०/०६ से मेष का। ता. २३ को रा.अं. ३/१७ से वृष का। ता. २६ को प्रातः ९/५७ से मिथुन का। ता. २८ को शाम ६/३८ से कर्क का। ता. ३० को रा.अं. ५/४२ से सिंह का। ता. ३१ को दिन रात सिंह का।

वार					
रवि	**31** बैरवा जयंती; मघा समस्त; पौष कृष्ण ४ ११/५६ दिन तक	**3** डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ज. विश्व दिव्यांग दिवस; श्री रामेश्वर दर्शन पूजा; अश्लेषा १/३४ रात्रि तक; अगहन कृष्ण ६ ७/२८ रात्रि तक	**10** प्रदोष व्रत; मानवाधिकार दिवस; स्वाति ११/४४ दिन तक; अगहन कृष्ण १२ ७/१४ प्रातः तक	**17** श्री राम विवाहोत्सव; पंचक ३/४५ दिन से; धनिष्ठा २/५३ रा.अं. तक; अगहन शुक्ल ५ ५/३३ शाम तक	**24** प्रदोष व्रत; अनंग त्रयोदशी; कृत्तिका १/१३ रात्रि तक; अगहन शुक्ल १३ ५/५५ रा.अं. तक
सोम	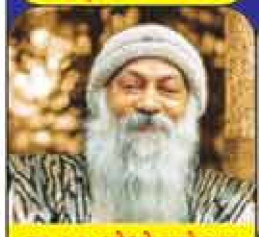 ता.११ ओशो महोत्सव	**4** नौसेना दिवस; मघा १२/३४ रात्रि तक; अगहन कृष्ण ७ १०/०० रात्रि तक	**11** ओशो महोत्सव, शिव चतुर्दशी व्रत; अगहन कृष्ण १४ ६/२४ रा.अं. तक; विशाखा १२/१२ दिन तक; अगहन कृष्ण १३ ७/११ प्रातः तक	**18** चम्पा षष्ठी, स्कंद षष्ठी; नरसी मेहता जयंती; पंचक; शतभिषा १/२० रा.अं. तक; अगहन शुक्ल ६ ३/१४ दिन तक	**25** गुरु ईसा मसीह जयंती; रोहणी १/३८ रात्रि तक; अगहन शुक्ल १४ ५/४७ रा.अं. तक
मंगल	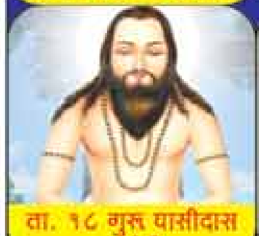 ता. १८ गुरु घासीदास जयंती	**5** काल भैरवी अष्टमी व्रत; कालाष्टमी; पू.फा. ३/३६ रा.अं. तक; अगहन कृष्ण ८ १२/३८ रात्रि तक	**12** भौमवती अमावस्या; अनुराधा ११/५६ दिन तक; अगहन अमावस्या ५/०२ रा.अं. तक	**19** पंचक; संत तारण तरण जयंती; पू.भा. १२/०१ रात्रि तक; अगहन शुक्ल ७ १/०७ दिन तक	**26** भ. दत्तात्रेय प्रकटोत्सव; अन्नपूर्णा जयंती; मृगशिरा १०/२० रात्रि तक; अगहन पूर्णिमा ६/०३ रा.अं. तक
बुध	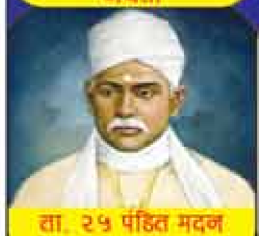 ता. २५ पंडित मदन मोहन मालवीय जयंती	**6** उ.फा. ६/२७ रा.अं. तक; अगहन कृष्ण ९ ३/०५ रा.अं. तक	**13** ज्येष्ठा ११/०४ दिन तक; अगहन शुक्ल १ ३/०१ रा.अं. तक	**20** पंचक; उ.भा. १०/४७ रात्रि तक; अगहन शुक्ल ८ ११/१५ दिन तक	**27** आर्द्रा ११/२७ रात्रि तक; पौष कृष्ण १ ६/४७ रा.अं. तक
गुरु	ता. २६ त्रिपुर सुंदरी देवी जयंती	**7** झण्डा दिवस; हस्त समस्त; अगहन कृष्ण १० ५/०७ रा.अं. तक	**14** चन्द्र दर्शन; ऊर्जा बचत दिवस; मूल ९/४६ प्रातः तक; अगहन शुक्ल २ १२/५६ रात्रि तक	**21** श्री महानंदा नवमी; पंचक १०/०८ रात्रि तक; रेवती १०/०८ रात्रि तक; अगहन शुक्ल ९ ९/३८ प्रातः तक	**28** पुनर्वसु १/०३ रा.अं. तक; पौष कृष्ण २ समस्त
शुक्र	**1** एड्स जागरूकता दिवस; पुनर्वसु ४/३२ शाम तक; अगहन कृष्ण ४ ३/३२ दिन तक	**8** उत्पन्ना एकादशी; हस्त ८/५२ प्रातः तक; अगहन कृष्ण ११ ६/३१ रा.अं. तक	**15** उ.षा. ६/२४ रा.अं. तक; पू.षा. ८/०१ प्रातः तक; अगहन शुक्ल ३ १०/३१ रात्रि तक	**22** गीता जयंती, मोक्षदा एकादशी; साल का सबसे छोटा दिन; अश्विनी १/३५ रात्रि तक; अगहन शुक्ल १० ८/१७ प्रातः तक	**29** पुष्य ३/०८ रा.अं. तक; पौष कृष्ण २ ८/०० प्रातः तक
शनि	**2** अन्नपूर्णा देवी व्रत प्रारंभ; पुष्य ६/५३ शाम तक; अगहन कृष्ण ५ ५/१५ शाम तक	**9** वै. उत्पन्ना एकादशी; चित्रा १०/४२ प्रातः तक; अगहन कृष्ण १२ समस्त	**16** विनायक चतुर्थी; खरमास प्रारम्भ; श्रवण ४/३६ रा.अं. तक; अगहन शुक्ल ४ ८/०० रात्रि तक	**23** वैकुण्ठ एकादशी, वै. मोक्षदा एकादशी; मत्स्य द्वादशी; अगहन शुक्ल १२, ७/१२ रा.अं. तक; भरणी १/१८ रात्रि तक; अगहन शुक्ल ११ ७/१२ प्रातः तक	**30** संकष्ठी चतुर्थी; चंद्रोदय ८/१८ रात्रि; अश्लेषा ५/४१ रा.अं. तक; पौष कृष्ण ३ ९/४५ प्रातः तक

सागर							
सूर्योदय	दिनांक	1–6/40	5–6/43	10–6/46	15–6/49	20–6/52	25–6/54
सूर्यास्त	दिनांक	1–5/28	5–5/28	10–5/29	15–5/31	20–5/33	25–5/35

पंचक

ता. १७ को दिन ३/४५ से ता. २१ को रात्रि १०/०८ तक

नर्मदा पंचक्रोशी यात्रा

ता.८ से १२ तक वराहेश्वर स्मृति बड़ा बड़दा (बांकानेर)। ता.२२ से २६ तक श्री नरसिंह अवतार बड़वानी, राजघाट।

मूल

अश्लेषा के ता. २ को शाम ६/५३ से ता. ३ को रात्रि ९/३४ तक फिर मघा के ता. ४ को रात्रि १२/३४ तक। ज्येष्ठा के ता. १२ को दिन ११/५५ से ता. १३ को दिन ११/०४ तक फिर मूल के मूल ता. १४ को प्रातः ९/४६ तक। रेवती के ता. २० को रात्रि १०/५७ से ता. २१ को रात्रि १०/०८ तक फिर अश्विनी के ता. २२ को रात्रि ९/३५ तक। अश्लेषा के ता. २९ को रा.अं. ३/०८ से ता. ३० को रा.अं. ५/४१ तक फिर मघा के मासान्त तक।

भद्रा

ता.३ को ६/२६ शाम से ता.४ को ७/२८ प्रातः तक। ता.७ को १/४१ दिन से २/३५ रात्रि तक। ता.१० को ५/३१ रात्रि अंत से ता.११ को ५/२६ शाम तक। ता.१६ को ११/४३ दिन से १०/४२ रात्रि तक। ता.१९ को ३/५० दिन से २/४० रात्रि तक। ता.२२ को ८/३३ रात्रि से ता.२३ को ७/४२ प्रातः तक। ता.२५ को ५/०१ रात्रि अंत से ता.२६ को ५/०३ शाम तक। ता.२९ को ७/३० रात्रि से ता.३० को ८/१७ दिन तक भद्रा रहेगी।

जैन पर्व

दिगम्बर जैन पर्व - ता.२ दीक्षा दिवस, ता.७ भ. महावरी स्वामी तप, ता.८ से १५ मुक्तावली व्रत, ता.१३ भ. पुष्प दन्त जन्म, तप, ता.२१ भ. अरनाथ तप, ता. २२ भ. मल्लीनाथ जन्म, तप, भ. नमीनाथ ज्ञान, ता.२५ भ. अरनाथ जन्म, रोहिणी व्रत। ता.२६ भ. सम्भवनाथ तप, ता.२८ भ. मल्लीनाथ ज्ञान। श्वेताम्बर जैन पर्व- ता.७ भगवान महावीर दीक्षा कल्याण। ता.११ एवं २५ पाक्षिक प्रतिक्रमण। ता.२३ मौन एकादशी। ता.२८ कुमुहूर्त्ता प्रारम्भ।

शुभ और अशुभ को पहिचानें : आनंददायी जीवन के लिए

सूर्योदय प्रातः 6 बजे होने पर राहुकाल, गुलिककाल एवं यमगण्डकाल का उपरोक्तनुसार समय रहेगा। सूर्योदय के समय परिवर्तन पर उक्त समय में अन्तर की गणना कर सही समय ज्ञात कर लें।

दिन	राहुकाल (अशुभ काल)	गुलिककाल (शुभ काल)	यमगण्डकाल (अशुभ काल)
रविवार	4:30 से 6:00 सायं	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह
सोमवार	7:30 से 9:00 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह	10:30 से 12:00 अपरान्ह
मंगलवार	3:00 से 4:30 अपरान्ह	12:00 से 1:30 अपरान्ह	9:00 से 10:30 प्रातः
बुधवार	12:00 से 1:30 दोपहर	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन
गुरूवार	1:30 से 3:00 अपरान्ह	9:00 से 10:30 दिन	6:00 से 7:30 प्रातः
शुक्रवार	10:30 से 12:00 दोपहर	7:30 से 9:00 दिन	3:00 से 4:30 अपरान्ह
शनिवार	9:00 से 10:30 प्रातः	6:00 से 7:30 प्रातः	1:30 से 3:00 अपरान्ह

पुष्य नक्षत्र : १ को ४/३६ दिन से ता.२ को ६/५३ शाम तक।
व्यतिपात योग : ता.१९ को ९/५२ रात्रि से ता.२० को ६/५२ शाम तक।
द्विपुष्कर योग : ता.६ को सूर्योदय से ९/०७ दिन तक।
त्रिपुष्कर योग : ता.१९ को सूर्योदय से ३/५० दिन तक। ता.२३ को ९/५४ रात्रि से ६/२२ रा.अं. तक।

रिश्तों की परिभाषा नहीं होती। समय और परिस्थितियां इन्हें परिभाषित करती हैं।

तहसीलदार की बेटी ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की

खुदखुशी से आधे घंटे पहले तक बिजी आता रहा फोन,फिर स्विच ऑफ, पुलिस जांच में जुटी

छिंदवाड़ा। जिले की सौंसर तहसीलदार की 19 साल की बेटी का शव रेलवे ट्रैक पर मिला पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि युवती ने बुधवार देर रात 10 बजे मालगाड़ी के सामने कूदकर आत्महत्या की है। शाम सात मां ने कॉल लगाया था पोने आधे घंटे तक बिजी बताता रहा। इसके बाद रिंग तो गई लेकिन कॉल रिसीव नहीं किया गया बाद में फोन स्विच ऑफ हो गया। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है आखिरी समय युवती किससे बात कर रही थी। पुलिस इसके कॉल डिटेल की जानकारी जुटाने की तैयारी कर रही है। तहसीलदार भावना मलगाम सौंसर तहसील कार्यालय में पदस्थ हैं। वे बुधवार को ड्यूटी के बाद शाम 7 बजे घर लौटी थीं। बेटी पलक नहीं मिली तो उसके बारे में आस-पड़ोस में पूछताछ की। कुछ पता नहीं चला इसके बाद बेटी को कॉल किया फोन पिक नहीं हुआ। भावना ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस पलक की तलाश में जुट गई। इसी दौरान रात करीब 11 बजे पता चला कि गुंजरखेड़ी में रेलवे ट्रैक पर एक लड़की की लाश पड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव पलक का निकला। सौंसर के एसडीओपी डी.व्ही.एस. नागर ने बताया कि बेटी कितने बजे घर से निकली थी सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से जानकारी एकत्रित की जा रही है। आत्महत्या के पहले किससे बात हो रही थी इसकी भी जांच की जा रही है।

12वी पास थी पलक

तहसीलदार भावना मलगाम बालाघाट की रहने वाली हैं गुरूवार को पोस्टमार्टम के बाद पार्थिक देह बालाघाट ले जाई गई। वहां अंतिम संस्कार किया गया। पलक 12 वीं पास कर चुकी थी। उससे बड़ा एक भाई है जो घटना के दो दिन पहले ही बालाघाट चला गया था। गुंजरखेड़ी निवासी सुमित ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर एक हिस्से में युवती का धड़ तो कुछ दूर सिर पड़ा था।

10 साल पहले पिता का निधन हुआ था

पलक के पिता का बीमारी के चलते 10 साल पहले निधन हो गया था। मां दोनो बच्चों की परवरिश कर रहीं थी। परिवार 5 महीने पहले सौंसर में किराए के मकान में शिफ्ट हुआ था। पड़ोसियों के मुताबिक पलक और उसका बड़ा भाई ज्यादा घर से बाहर नहीं निकलते थे।

कमलनाथ ने ट्वीट कर जताया शोक

मामले में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ट्वीट कर शोक जताया है उन्होने लिखा तहसीलदार भावना जी की 19 वर्षीय बेटी के असामयिक निधन की खबर दुखद है, हृदय विदारक है मैं गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि पीड़ित परिजन कोा यह असीम दुख सहने की शक्ति दें।

इनका कहना

मर्ग कायम कर जांच की जा रही

जीतेन्द्र यादव,
टीआई सौंसर

सरकार किसी की भी बने छिंदवाड़ा से मुख्यमंत्री-मंत्री बनना तय

छिंदवाड़ा। 3 दिसम्बर को स्पष्ट होगा कि किसकी सरकार बन रही है, सरकार किसी की भी बने छिंदवाड़ा-पांढुर्ना जिले से मंत्री बनना तय है। कांग्रेस को बहुमत मिलता है तो कमलनाथ मुख्यमंत्री बनेंगे, भाजपा की सरकार बनती है और यदि भाजपा प्रत्याशी जितते है तो उनका मंत्री बनना तय है। प्रदेश की तरह भी छिंदवाड़ा में भाजपा एवं कांग्रेस में सीधी टक्कर नहीं है, जिले की चौरई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के विद्रोही नीरज ठाकुर बंटी पटेल चुनाव परिणाम को प्रभावित करेंगे। इसी तरह सौंसर विधानसभा में प्रदीप ठाकरे को पुरान संघ एवं भाजपाईयों का साथ था। अमरवाड़ा विधानसभा में भाजपा ने गोंडवाना की मोनिका बट्टी को प्रत्याशी बनाया है, मोनिका को उनके स्वर्गीय पिता मनमोहन शाह बट्टी की थोड़ी बहुत सहानुभूति मिली तो परिणाम कुछ भी हो सकता है। इस तरह अन्य विधान सभाओं के अलग-अलग गणित है। कांग्रेस की सरकार बनेगी तो कमलनाथ का मुख्यमंत्री बनना तय है, वे अपने जिले से किसी एक विधायक को मंत्री बना सकते हैं, वे पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना को कोई कारपोरेशन का चेयरमेन बना सकते है। पिछली सरकार में दीपक सक्सेना को काई पद नहीं मिला था तो नाराज थे, उन्होने कमलनाथ के लिए छिंदवाड़ा सीट छोड़ी थी, तो कमलनाथ ने किसी को मंत्री नहीं बनाया, उनका मानना था कि मंत्री की क्या जरूरत है,किसी एक को मंत्री बनायेगे तो जिले में गुटबाजी फैलेगी। हो सकता है कि कमलनाथ के अलावा कांग्रेस के विधायक को मंत्री बनने का अवसर न मिले।

भाजपा की सरकार बनती है और भाजपा का कोई भी विधायक जीतता है तो उसका मंत्री बनना तय है, क्योंकि कमलनाथ विपक्ष के नेता होंगे और भाजपा सरकार में कोई भी भाजपा का विधायक मंत्री बन सकता है भाजपा में एक से ज्यादा विधायक भी मंत्री बन सकते है।

भाजपा में सौंसर के नाना मोहोड़ मंत्री रह चुके है। यदि वे जीतते है तो उनका मंत्री बनना तय है। इसी तरह पांढुर्ना के प्रकाश उईके जज रहे है तो उन्हे भी भाजपा अवसर दे सकती है। देखना है कि किसकी सरकार बनती है और कौन मंत्री बनता है, यह भी तय है कि सरकार किसी की भी बने छिंदवाड़ा-पाढुर्ना से मंत्री बनना तय है।

सरकार बनते ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों की होगी नपाई

सरकार बनते ही सबसे पहले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नपाई होगी, कौन कांग्रेस का और कौन भाजपा का समर्थक रहा है। उसका हिसाब किया जायेगा।कमलनाथ पहले भी कई बार कह चुके है कि मेरी चक्की बारिक पीसती है इसी तरह भाजपा ने भी एक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची भेजी थी, सूची वायरल हो गई थी, इस सूची में बहुत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण हो गये, थे कुछ बचे थे, सरकार भाजपा की बनी तो वे सभी हटाये जायेंगे और सूची के अनुसार बाहर से आये है, उन्हें हटाया जावेगा। सरकार बनते ही एक माह के अन्दर जिले में भारी फेरबदल होगा। कांग्रेस की सरकार बनती है तो पूर्व के रूके प्रोजेक्टों में शीघ्र ही कार्यवाही होगी। भाजपा को भी उन्ही प्रोजेक्टों पर तेजी से कियान्वन से करना होगा जब उसका लोकसभा चुनाव लाभ मिलेगा।

अमरवाड़ा में कांग्रेस की जीत की सम्भावना :नेमा

अमरवाड़ा। नगर के वरिष्ठ अधिवक्ता और राजनीतिक विश्लेषक राजेंद्र नेमा ने अपने पक्षकारों से जो कि पूरे विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। उनसे पूछ परख कर अपना ओपिनियन साझा किया है। जिसमें उन्होंने नौ मुख्य बिंदुओं लाडली बहना योजना एवं उज्जवला गैस योजना, प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि,गोंडवाना फैक्टर, ओल्ड पेंशन स्कीम,कमलनाथ को मुख्यमंत्री बनाने का फैक्टर,केंद्र सरकार की योजनाएं और मोदी फैक्टर,स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजी,चुनावी प्रबंधन एवं ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में माहौल के आधार पर अपना ओपिनियन बताते हुए अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में किस पार्टी के प्रत्याशी को ज्यादा बढ़त की उम्मीद है और किस पार्टी के प्रत्याशी को हारने की उम्मीद है को बताया गया है।वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र नेमा ने बताया कि मेरे व्यक्तिगत सर्वेक्षण के मुताबिक इन नौ बिंदुओं के आधार पर मैंने अपना ओपिनियन साझा किया है। हालाकि ओपिनियन में कुछ एक प्रतिशत आगे पीछे हो सकते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि इन सभी नौ बिंदुओं के आधार पर अमरवाड़ा विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के जीत की बड़ी संभावना है और जीत हार का अंतर भी पहले से ज्यादा रहने का अनुमान है। इसका कारण राजा कमलेश प्रताप शाह की व्यक्तिगत छवि अन्य प्रत्याशियों पर भारी,भाजपा प्रत्याशी पर गोंडवाना फैक्टर का कमजोर होना,इस विधानसभा चुनाव में मोदी फैक्टर का उतना प्रभावी न होना,स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजी,चुनाव प्रबंधन कांग्रेस पार्टी का बेहतर होना आदि शामिल है। इन सब को देखते हुए श्री नेमा ने अमरवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी की जीत की संभावना जताई है।

रामाश्रम सत्संग मथुरा का तीन दिवसीय आध्यात्मिक सत्संग समारोह आज से

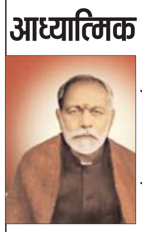

छिंदवाड़ा। रामाश्रम सत्संग मथुरा के उपकेंद्र छिंदवाड़ा का तीन दिवसीय आध्यात्मिक आंतरिक सत्संग समारोह 1 दिसम्बर को संध्या 7.30 बजे 2 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे एव संध्या 7.30 बजे एवं 3 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे 2023 को चित्रांश मंगल भवन छोटा तालाब में आयोजित किया गया है। समर्थ गुरु परमसंत डॉ. चतुर्भुज सहाय जी महाराज ने मानव जीवन के इस सर्वोच्च लक्ष्य आत्मज्ञान की प्राप्ति हेतु सरल एवं शीघ्र फलदायक साधना शैली अपने अनुभवों के आधार पर प्रतिपादित की है। इसी आध्यात्मिक साधना के गूढ़ अनुभवों का ज्ञान कराने हेतु रामाश्रम सत्संग मथुरा से सम्बद्ध अनुभवी आचार्य,श्री प्रदीप शर्मा ग्वालियर, शिवनाथ शर्मा टूंडला, प्रोफेसर ब्रजेश शर्मा ग्वालियर, डॉ. के.के. सिंह चित्रकूट, डॉ. रवि श्रीवास्तव भोपाल, धीरज सिंह सागर, सीताराम असाटी दमोह पधार रहे हैं। कार्यक्रम में भजन, प्रवचन ध्यान का लाभ लेने समस्त साधक भाई बहिन तथा नए जिज्ञासुओं से परिवार सहित उपस्थिति का निवेदन किया गया है।

मतगणना कार्य में लोक शांति व सुरक्षा बनाने दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश पारित

मतगणना स्थल पर मोबाईल, धूम्रपान, मद्यपान, गुटखा, पाउच आदि प्रतिबंधितकिसी भी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा की जाने वाली वीडियोग्राफी, फोटोग्राफी

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मनोज पुष्प द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मतगणना कार्य स्वतंत्र व निष्पक्ष रूप से संपादित कराये जाने और लोक शांति व लोक सुरक्षा बनाये रखने के दृष्टिगत दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत मतगणना स्थल शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा के परिसर के 100 मीटर क्षेत्र में तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधात्मक आदेश पारित किये गये हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा-188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी। प्रतिबंधात्मक आदेश के अंतर्गत मतगणना स्थल परिसर में किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मतगणना स्थल भवन की परिधि के 100 मीटर की दूरी में किसी भी वाहन के आने की अनुमति नहीं होगी और मतगणना केन्द्र की 100 मीटर की दूरी के भीतर किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के घातक हथियार जैसे चाकू, लोहे की छड़, लाठी, तलवार, भाला, बरछी, फरसा, गंडासा, आग्नेय शस्त्र आदि लेकर प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध शासकीय, अर्द्धशासकीय निकायों के सुरक्षा कर्मियों, पुलिस कर्मियों, विशेष पुलिस कर्मियों और ऐसे शासकीय अधिकारियों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें जिला प्रशासन अथवा पुलिस प्रशासन द्वारा चुनाव के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने के लिये नियुक्त किया गया हो एवं जिन्हें भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सुरक्षा मापदण्डों के आधार पर विशेष छूट प्राप्त हो। मतगणना स्थल पर मोबाईल, धूम्रपान, मद्यपान, गुटखा, पाउच आदि को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है तथा किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा की जाने वाली वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह आदेश आम जनता को सम्बोधित है और चूंकि वर्तमान में ऐसी परिस्थितियां नहीं है और न ही यह सम्भव है कि इस आदेश की पूर्व सूचना प्रत्येक व्यक्ति को दी जाये, इसलिये यह आदेश एक पक्षीय पारित किया गया है। यह आदेश जारी होने की तिथि 30 नवंबर 2023 से 4 दिसंबर 2023 को प्रातः 8 बजे तक के लिये लागू रहेगा।

जिले में अभी तक 1241.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 1241.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 1628 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 30 नवंबर को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 1.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 30 नवंबर को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील अमरवाड़ा में 2.2, हर्रई में 8.6, पांढुर्णा में 2.2, परासिया में 1.2, जुन्नारदेव में 2.8, चांद में 1.2 और उमरेठ में 2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 1094.9, मोहखेड़ में 1119.6, तामिया में 1862, अमरवाड़ा में 1154.8, चौरई में 1052.3, हर्रई में 1325.6, सौंसर में 1230.9, पांढुर्णा में 987.1, बिछुआ में 897.2, परासिया में 1526.5, जुन्नारदेव में 1340.6, चांद में 1183.3 और उमरेठ में 1363 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

जरूरतमंदों को कम्बल, वस्त्र, मिठाई, आनाज, दीपक, तेल, बाती, सत्साहित्य एवं अन्य सामग्री निःशुल्क भेंट

छिंदवाड़ा। श्री शक्ति ट्रस्ट एवं संस्कृत पुस्तकोंन्नति सभा द्वारा संचालित संत श्री आशारामजी आश्रम खजरी द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आदिवासी, अति गरीब, पिछड़े क्षेत्रों में दीपावली पर्व पर जरूरतमंदों को कम्बल, वस्त्र, मिठाई, आनाज, दीपक, तेल, बाती, सत्साहित्य एवं अन्य सामग्री निःशुल्क भेंट कर दीपावली पर्व मनाया। जिले भर में 1 माह से जारी भंडारे में जगह-जगह साध्वी रेखा बहन और साध्वी प्रतिमा बहन के सत्संग भी सम्पन्न हुए। शरद पूर्णिमा को लिंगा आश्रम से भंडारे की शुरुवात कर कार्तिक पूर्णिमा के बाद इसका समापन किया गया। समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई ने बताया कि यह हम लोगों की गत 26 वर्षों की सेवा है। इस प्रकार की सेवा देश भर के 550 आश्रमों में की जा रही हैं। जिसमें जिले में लाखों तथा देश भर में पूज्य बापूजी की कृपा से करोड़ों करोड़ों जरूरतमंद लाभन्वित हुए। समिति द्वारा इस वर्ष जुन्नारदेव विकास खण्ड के पाताल कोट , परासिया विकास खण्ड के देवरी ग्राम के आसपास, अमरवाड़ा के धसनवाड़ा, बिछुआ, खमारपानी के आदिवासी क्षेत्रों में भंडारे किये गए साथ ही मूक बधिर स्कुल, व्रद्ध आश्रम एव कई सरकारी स्कूलों में भी भेंट दी गई। ब्लॉक स्तर की सभी समितियों को 50-50 ग्रामों की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिले के 3 लाख साधकों को निर्देशित किया गया था कि जो लोग जारी भंडारे में शामिल नही हो पाए वो अपने आसपास के 2-4 गरीब परिवारों को मिठाई खिलाकर भेंट देकर ही दीपावली पर्व मनायें। यह अपनी सनातन संस्कृति की भी परम्परा है। जिले भर में जारी भंडारे में 7 लाख से अधिक जरूरत मंदों के लाभान्वित होने की खबर है। सभी भंडारे में आदर्श चुनावी आचार संहिता का विधिवत पालन किया गया। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला अंत्योदय समिति के उपाध्यक्ष विलाश घोंघे ,जिला पंचायत की सदस्य ललिता घोंघे, सरपंच रूपेश कराडे उपस्थित हुए। इस दैवीय कार्य में साध्वी रेखा बहन, साध्वी प्रतिमा बहन , समिति के अध्यक्ष मदनमोहन परसाई, खजरी आश्रम के संचालक जयराम भाई, गुरुकुल की संचालक दर्शना खट्टर,युवा सेवा संघ के अध्यक्ष दीपक डोईफोड़े, रूक्र पराड़कर, धनाराम सनोडिया, पी. आर. शेरके, दामोदर इंगले, सुजीत सूर्यवंशी, दिलीप साहू, महिला समिति से सुमन डोईफोड़े, आशा इंगले, छाया सूर्यवंशी, विमल शेरके, डॉ. मीरा पराड़कर, दीपा डोडानी आदि ने अपनी अपनी सेवाएं दी। उक्त जानकारी समिति के मीडिया प्रभारी भगवान दिन साहू ने दी।

विधानसभा निर्वाचन के अंतर्गत मतगणना स्थल पर मतगणना संबंधी मॉक ड्रिल

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प के मार्गनिर्देशन में आज विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में बनाये गये मतगणना स्थल पर आगामी 3 दिसंबर 2023 को होने वाली मतगणना के संबंध में मॉक ड्रिल संपन्न हुई। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, नेशनल एवं स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर, सभी रिटर्निंग अधिकारी और मतगणना स्थल कार्य के नोडल अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

आईसीआईसी बैंक नहीं तोड़ रही एफडी

परासिया। नगर पालिका परासिया के जलवर्धन योजना का पूरा काम होने के बावजूद काम करने वाली नागपुर की लक्ष्मी सिविल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को नगर पालिका से 4 करोड़ 16 लाख 68593 का भुगतान नहीं हुआ है।कंपनी ने गत 18नवंबर को मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर दो दिन के भीतर भुगतान करने को कहा एवं देरी करने पर कंपनी ने 10त्न ब्याज सहित भुगतान के बारे में कंपनी की भुगतान को लेकर संभागीय कार्यालय में भुगतान का अनुमोदन किया है।जबलपुर संभाग के नगरी प्रशासन एवं विकास के अधीक्षण यंत्री ने गत 8 नवंबर को मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखकर भुगतान करने के बारे में कहा है जिसमें केवल 20त्न राशि अंतिम भुगतान के लिए रोकी जाएगी वहीं दूसरी ओर पता चला है। कि नगर पालिका के सीएमओ ने कंपनी के भुगतान को लेकर जल आवर्धन योजना की जो 3 करोड़ की राशि है। उसे गत 30 अक्टूबर को 1 साल के लिए आई सी आई सी. बैंक में फिक्स डिपाजिट कर दिया है।जब कंपनी को भुगतान देने का दबाव बडा तो मात्र 9 दिन के भीतर ही गत 9 नवंबर को सी,एम,ओ ने 3 करोड़ की एफडी तोड़ने के लिए बैंक पहुंचे थे।लेकिन बैंक अधिकारी ने नियमों का हवाला देकर कहा कि 1 साल के पहले एफडी नहीं टूटेगी जिसके बाद सी,एम,ओं ने पुलिस में बैंक पर धोखाधड़ी का आरोप लगाकर शिकायत की है वहीं नगर पालिका के कानूनी सलाहकार अधिवक्ता एवं नोटरी राज किशोर सिंह परमार ने बैंक को कार्यवाही के लिए कानूनी नोटिस भेजा है।

हाथ में सांप लिए मरीज पहुंचा हॉस्पिटल

डॉक्टर भी देख रह गए दंग, अस्पताल स्टाफ में मचा हड़कंप

छिंदवाड़ा । सांप का नाम सुनते ही बड़े-बड़ों के पसीने छूट जाते हैं। लेकिन क्या कभी सांप के काटने के बाद जिंदा सांप को साथ लेकर अस्पताल पहुंचते देखा है। जी हां छिंदवाड़ा के जिला अस्पताल में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां एक शख्स को सांप ने काट लिया। इसके बाद मरीज के परिजन जिंदा सांप अपने साथ डिब्बे में कैद कर जिला अस्पताल पहुंचे। इसे देखते ही अस्पताल स्टाफ में भी हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार मोहखडे के ग्राम नवलगांव निवासी पंकज देशमुख गुरुवार सुबह अपने दिनचर्या के अनुसार कार्य कर रहे थे। जहां घर मे रखी मक्के से भरी बोरी उठाकर घर के अंदर रख रहे थे, अचानक बोरी के पीछे छिपे सांप ने उन्हें पैर पर काट लिया। जैसे इसकी जानकारी परिजनों को लगी तत्काल परिजनों ने सांप को पकड़ा और उसे डिब्बे में बंद कर जिला अस्पताल पहुँच गए। जहां युवक का उपचार जारी है।

1 घँटे करवाते रहे झाड़फूंक

दरअसल पंकज देशमुख को जब सांप ने काटा तो परिजनों द्वारा सांप को पकड़कर डिब्बे में बंद कर दिया गया। वहीं लगातार 1 घँटे तक गांव में ही झाड़फूंक करवाते रहे। लेकिन जब युवक की हालत ज्यादा खराब हो गई तो उसे तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। वहीं ऑन ड्यूटी डॉक्टर अजय राजपूत ने बताया कि युवक को रसल वाइपर प्रजाति के सांप ने काटा है। युवक का उपचार किया जा रहा है।

हर बच्चा निपुण अभियान और कक्षा एक व 2 के शिक्षकों के लिये रिफेंशर ट्रेनिंग पर चर्चा

जिला कार्यक्रम प्रबंधन समूह की बैठक

छिन्दवाड़ा। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान छिंदवाडा एम.के.पांडवा की अध्यक्षता में जिला पंचायत छिंदवाडा के सभाकक्ष में जिला कार्यक्रम प्रबंधन समूह (डीपीएमयू) की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक जे.के.इडपाचे और निपुण प्रोफेशनल सुश्री हर्षिता शर्मा द्वारा एफएलएन योजना की विस्तृत चर्चा की गई।

जिला शिक्षा केन्द्र के जिला परियोजना समन्वयक इडपाचे ने बताया कि बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधन समूह की मासिक समीक्षा बैठक की आवश्यकता व इससे अपेक्षा, हर बच्चा निपुण अभियान और कक्षा एक व 2 के शिक्षकों के लिये रिफेंशर ट्रेनिंग पर चर्चा की गई। साथ ही मेंटरिंग एप पर मानिटरिंग व एफएलएन कार्यकम, मिशन अंकुर संबंधी सामग्री वितरण, बीपीएमयू मासिक बैठक आयोजन, अर्द्धवार्षिक परीक्षा और मिडलाईन टेस्ट की समीक्षा की गई। बैठक में जिले के सहायक परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक और एपीसी उपस्थित थे।

मतगणना कक्ष में मोबाइल फोन और कैलकुलेटर रहेगा प्रतिबंधित

छिंदवाड़ा। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत आगामी 3 दिसंबर को मतगणना का कार्य भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार मतगणना केंद्र शासकीय स्वशासी पी.जी.कॉलेज छिंदवाड़ा में विधानसभावार बनाए गए मतगणना कक्ष में किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज पुष्प ने जानकारी दी है कि मतगणना केंद्र और मतगणना कक्ष में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। केवल भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षकों और छूट प्राप्त अधिकारियों को ही प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। मतगणना अभिकर्ता एवं अन्य किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन अथवा कैलकुलेटर ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी। मोबाइल फोन अथवा कैलकुलेटर के साथ मतगणना केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

ट्रेनों का संचालन बंद करना अविवेक पूर्ण निर्णयः आनंद बक्षी

यात्रियों पर बढ़ रहा किराये का बोझ

छिन्दवाड़ा। छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने वाली सम्पूर्ण ट्रेनों के संचालन को रेलवे के द्वारा रोक दिया गया है जो कि पूर्णरूप से अव्यवहारिक है, क्योंकि छिन्दवाड़ा स्टेशन से परासिया, जुन्नारदेव, बैतूल जिले की बोरदेही व आमला व दूसरी ओर सिवनी जिले व नागपुर तक लोग प्रतिदिन सफर करते हैं तो वहीं भोपाल-इंदौर व दिल्ली का सफर विद्यार्थी व व्यापारी वर्ग संचालित ट्रेनों से ही करता है, किन्तु रेलवे के द्वारा एक साथ सभी ट्रेनों के संचालन को रोके जाने वाले निर्णय को गलत ठहराते हुये कांग्रेस ने जहां तक संभव हो ट्रेनों के संचालन की मांग उठाई है। ट्रेनों की आवाजाही पर अनिश्चित काल के लिये लगाये गये विराम से यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गई है, जहां एक ओर सफर के लिये वे पूरी तरह से यात्री बसों पर निर्भर हो चुके हैं तो वहीं अत्याधिक दूरी का सफर तय करने के लिये उनके पास दूसरा कोई विकल्प शेष नहीं है। रेलवे द्वारा विगत दिनों यह निर्णय लिया गया कि सिवनी-छिन्दवाड़ा-दिल्ली-फिरोजपुर पातालकोट एक्सप्रेस सहित सिवनी-इंदौरा एक्सप्रेस, नागपुर-शहडोल ट्रेन संचालन को अनिश्चित काल के लिये बंद किया गया है। शहर कांग्रेस कमेटी के समन्वयक आनंद बक्षी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कहा कि रेलवे के द्वारा लिया गया यह निर्णय इस आधार पर लिया गया है कि रेलवे स्टेशनों पर आधारभूत संरचना का कार्य जारी है, प्रश्न यह है कि किन स्टेशनों पर यह कार्य किया जा रहा है जैसा कि रेलवे ने बताया मथुरा रेलवे स्टेशन पर यह कार्य आरम्भ होने से पातालकोट एक्सप्रेस तथा भोपाल इंदौर ट्रैक पर कार्य होने से पेंचव्हेली एक्सप्रेस को अनिश्चित काल के लिये बंद कर दिया गया है। श्री बक्षी ने इसे रेलवे का अविवेक पूर्ण निर्णय निरूपित करते हुये रेलवे अधिकारियों से यह मांग की है कि पातालकोट एक्सप्रेस एवं पेंचव्हेली एक्सप्रेस को ग्वालियर-भोपाल तक क्यों नहीं चलाया जा रहा है, यह उल्लेखनीय है कि जिस अधोसंरचना के कार्य होने का कारण ट्रेनों के संचालन को बंद करने हेतु बताया गया है इस स्थिति में रेलवे अधिकारियों द्वारा अविवेक पूर्ण निर्णय लेते हुये संचालन बंद किया गया है। नागपुर-शहडोल ट्रेन को कटनी तक पेंचव्हेली को भोपाल तक तथा पातालकोट को ग्वालियर तक निरंतर परिचालन किया जाना चाहिये। रेलवे अधिकारी बड़ा ही विचित्र तर्क दे रहे हैं कि कम्प्यूटर में इन ट्रेनों का संचालन तकनीकी रूप से सही नहीं दर्शाया जा सकेगा। रेलवे अधिकारी कम्प्यूटर के प्रोग्रामिंग को फेरबदल कर ट्रेनों का संचालन कर सकते हैं। कांग्रेस यह मांग करती है कि उक्त तीनों ट्रेनों के संचालन से लम्बी दूरी के यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है साथ ही साथ कम दूरी के ऐसे यात्री जिनके ग्रामों तक पहुंचने के लिये सिर्फ इन्हीं ट्रेनों का आसरा है तथा ऐसे मंझोले व्यापारी जो इन ट्रेनों के माध्यम से कम लागत में कर पाते हैं उनके लिये इन ट्रेनों का संचालन बंद किया जाना दुर्भाग्य पूर्ण है। ट्रेनों के संचालन को बंद करने से गरीब, आम आदमी सहित अन्य व्यापारी मनमाने किराये भुगतान का शिकार हो रहे हैं निश्चित ही रेलवे अधिकारी के तानाशाही पूर्ण निर्णय से आमजनता बुरी तरह त्रस्त हो रही है। कांग्रेस रेलवे अधिकारियों से यह मांग करती है कि अविलम्ब इन ट्रेनों का जहां तक संभव हो सके वहां तक संचालन कर यात्रियों को राहत प्रदान करें।

OUR PREDICTION CAME TRUE
WHISPERSINTHECORRIDORS.COM

Secretary General Lok Sabha Utpal Kumar Singh gets one year extension on November 30

(WE SAID THIS ON OCTOBER 4, 2023)
Secretary General Lok Sabha to get one year extension?
Secretary General Lok Sabha Utpal Kumar Singh is expected to get a one year extension in his tenure on December 1. He is a former 1986 batch IAS officer of Uttarakhand cadre.

Mundkur Shyamprasad Kamath selected as MD, MRPL on Nov 30

(WE SAID THIS ON NOV 28, 2023)
Shyam Kamath Prasad in race for MD, MRPL
Shyam Kamath Prasad, an internal candidate, is in the race for the post of Managing Director, Mangalore Refineries & Petrochemicals Limited (MRPL).

Himanshu Gupta appointed as Secretary, CBSE on Nov 30

(WE SAID ON NOV 25, 2023)
Himanshu Gupta recommended for Secretary, CBSE
The Civil Services Board (CSB) has recommended the appointment of Himanshu Gupta as Secretary, Central Board of Secondary Education (CBSE), under the Department of School Education and Literacy, Ministry of Education. He is a 2012 batch IAS officer of AGMUT cadre

पंकज राग एम्स अस्पताल में भर्ती

भोपाल। मध्यप्रदेश के 1990 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पंकज राग दिल्ली के एम्स अस्पताल में पिछले एक माह से भर्ती हैं। पिछले तीन दिनों से वे एम्स के आईसीयू में हैं और उनकी हालत काफी गंभीर बताई जा रही है। पंकज राग अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में मध्यप्रदेश भवन दिल्ली में रेजीडेंट कमिश्नर के पद पर पदस्थ हैं।

भिंड में दो बदमाशों ने 6 राउंड फायर किए, पुलिस को न बदमाश मिले न फरियादी

भिंड। भिंड में दिनदहाड़े सरेराह गोली चलाने का सीसीटीवी सामने आया है। गुरुवार की शाम 6 बजे भिंड बायपास पर दो बदमाश गोली चलाते हुए फरार हो गए। पुलिस को अभी तक न तो बदमाशों का सुराग लग सका है और न ही कोई फरियादी सामने आया है। करीब 10 मिनट तक बदमाश कट्?टे को लहराते रहे और पचास मीटर दूरी तक एक के बाद एक आधा दर्जन फायर कर दहशत फैलाते रहे।

इस घटना की सूचना राहगीरों द्वारा दिए जाने के 10 मिनट में देहात

पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। इसके बाद जब भिंड एसपी डॉ असित यादव ने घटना स्थल की जानकारी ली तो उन्हें बताया गया कि घटना स्थल पर कोई फरियादी सामने नहीं आ रहा है।

दरअसल, मामला यह है कि भिंड के वायपास स्थित यदुनाथ नगर गेट पर दो युवकों में कोई बात हुई। यहां पर बदमाशों ने अचानक कट्?टों को निकाल लिया। इन बदमाशों ने बारी-बारी से यदुनाथ नगर कॉलोनी के गेट से रिलांयस पेट्रोल लहार चुंगी तक हवाई फायर किए। बदमाश एक दूसरे के पीछे सड़क पर भागते दिखे और वे बारी-बारी से कट्?टे को हवा में लहराते हुए फायर करते रहे। लोग वाहन व पैदल चल रहे थे वे दाएं-बाएं होने लगे।

यह घटना की जानकारी राहगीरों ने पुलिस कंट्रोल रूम व भिंड एसपी को फोन पर दी। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई। घटना स्थल पर पुलिस पहुंची। यहां पुलिस वाहन पेट्रोल पंप पर खड़ा हुआ और जवान मौके पर करीब 10 मिनट खड़े रहे। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने फोन पर घटना स्थल की जानकारी एसआई से ली।

भिंड एसपी यादव ने तत्काल कोतवाली पुलिस को सक्रिय किया। मौके पर एसआई अतुल सिंह भदौरिया पहुंचे। इसी समय देहात थाना प्रभारी सुधीर कुशवाह पहुंचे। तब तक करीब 30 मिनट से ज्यादा समय व्यतीत हो गया और बदमाशों को शहर से भागने का भी समय मिल गया। इसके बाद पुलिस सक्रिय हुई।

मुरैना कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष पद से हटाया

मुरैना। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम आने से पहले कांग्रेस ने भितरघातियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस क्रम में सबसे बड़ी कार्रवाई मुरैना के ग्रामीण जिला अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर पर हुई है, जिन्हें दिमनी के भाजपा प्रत्याशी व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के लिए काम करने के आरोप में पार्टी ने जिला अध्यक्ष पद से हटा दिया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ के निर्देश पर गुरुवार देर शाम कांग्रेस के उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने यह कार्रवाई की है। उक्त आदेश में मधुराज तोमर को कहा गया है कि विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशी (रविंद्र सिंह भिडोसा) के पक्ष में कार्य न करते हुए पार्टी विरोधी गतिविधियों में संलग्न रहे हैं तथा अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में खुलेआम अनुचित कार्य करते हुए पार्टी विरोधी कार्य किया है। कांग्रेस ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए मधुराज सिंह तोमर से 7 दिन में जवाब मांगा है। जवाब न मिलने पर मधुराज सिंह को कांग्रेस से निष्कासित भी किया जा सकता है।

भोपाल, जबलपुर के मेडिकल कॉलेज की मान्यता संकट में

भोपाल। बायोमैट्रिक मशीन पर डॉक्टर्स की अटेंडेंस को लेकर भोपाल के मेडिकल कॉलेज की मान्यता पर बात आ गई। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग आयुक्त ने इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर सहित सभी 13 मेडिकल कॉलेजों के डीन को चेतावनी पत्र जारी कर दिया है। इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज की बात करें तो यहां पर भी डॉक्टरों की उपस्थिति 58 से 60 प्रतिशत ही रह रही है। कुछ विभागाध्यक्ष सहित करीब 20 सीनियर डॉक्टर्स पंच नहीं कर रहे हैं। इनमें से कुछ प्रोफेसर हैं। वे मशीन पर इम्प्रेशन नहीं आने की वजह बता रहे हैं, लेकिन जब प्रशासनिक अधिकारी खुद के सामने पंच करने के लिए कहते हैं तो वे मना कर देते हैं। अब रेटिना स्कैनिंग वाली मशीन लगाने की तैयारी है। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में यही स्थिति है। जबलपुर में भी 35 से 40 फीसदी उपस्थिति ही दर्ज हो रही है। कुछ डॉक्टरों की मनमानी का आलम यह है कि वे ओपीडी में भी देरी से पहुंचते हैं और दोपहर 12 बजे निकल जाते हैं। बायोमैट्रिक मशीन पर अटेंडेंस पंच नहीं की जा रही है।

जागरूकता रैली

विश्व एड्स दिवस पर आज भोपाल में राज्य एड्स समिति के तत्वावधान में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

संसदीय समिति गोवा दौरे के दौरान सांसद विवेक तन्खा ने सांसद लक्ष्मीकान्त बाजपेयी एवं सांसद तुलसी एवं अन्य सांसदों के साथ उत्तर-दक्षिण गोवा का सेतु और जुआरी नदी पर बने फ्लाई ओवर एवं एक जन आकर्षण का निरीक्षण किया। मप्र की कंपनी दिलीप बिल्डकॉर्न ने 7 साल में इस भव्य ब्रिज का निर्माण पूर्ण किया है।

मप्र में दिसंबर के पहले दिन की शुरुआत बारिश से

15 के बाद भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में बढ़ेगी ठंड

भोपाल। मध्यप्रदेश में अमूमन दिसंबर से कड़ाके की ठंड की शुरुआत हो जाती है। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं। ठंड के साथ बारिश और गर्मी का ट्रेंड भी है। शुक्रवार सुबह भोपाल, ग्वालियर, नर्मदापुरम और खंडवा में बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो अबकी बार वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), चक्रवात और ट्रफ लाइन एक्टिव है, जिससे बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम बना हुआ है।

भोपाल के मौसम विभाग ने बताया कि 8-9 दिसंबर तक प्रदेश में बादल-हल्की बारिश होगी, जबकि दूसरे पखवाड़े की शुरुआत के साथ ठंड का असर भी बढ़ जाएगा। दिसंबर में ग्वालियर, चंबल और पचमढ़ी ज्यादा ठंडे रहेंगे। भोपाल, इंदौर, जबलपुर-उज्जैन समेत प्रदेश में भी रात के टेम्प्रेचर में काफी गिरावट होगी। इंदौर में दो दिन शुक्रवार को कोहरे से राहत मिली है। इसके साथ ही धूप भी खिली थी। मौसम विभाग ने शुक्रवार को इंदौर-उज्जैन संभाग के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार जताए हैं। इसके पूर्व गुरुवार को दिन का तापमान 25 डिग्री और रात का तापमान 18.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

24 घंटे में सबसे ज्यादा नरसिंहपुर में डेढ़ इंच बारिश- प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में नरसिंहपुर में सबसे ज्यादा डेढ़ इंच, जबकि नर्मदापुरम के पचमढ़ी और खंडवा में करीब एक इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा सीधी में 0.8, दमोह में 0.7, बैतूल में 0.7, जबलपुर में 0.6, नर्मदापुरम में 0.4, टीकमगढ़ में 0.36, सतना में 0.3, नौगांव में 0.3, खजुराहो में 0.3, उमरिया में 0.3, रीवा में 0.2, शिवपुरी में 0.2, रतलाम में 0.2 और भोपाल में 0.2 इंच बारिश हुई।

मौसम वैज्ञानिक हुसैन ने बताया कि दिसंबर की शुरुआत बारिश के साथ होगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से प्रदेशभर में मौसम ठंडा रहेगा। वहीं, पूर्वी हिस्से में हल्की से मध्यम बारिश होगी। दिसंबर में मौसम का ट्रेंड देखें, तो दिसंबर में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस स्ट्रॉन्ग आते हैं। वहीं, उत्तरी हवाएं आने से दिन-रात के तापमान में गिरावट होती है। अनुमान के अनुसार इस बार दिन-रात के तापमान नॉर्मल ही बने रहेंगे, लेकिन यदि उत्तरी भारत यानी जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी होती है, तो टेम्प्रेचर लुढ़क भी सकता है।

मप्र के एग्जिट पोल पर अपने-अपने दावे

शिवराज बोले- स्पष्ट बहुमत लाएगी भाजपा, कमलनाथ बोले- कार्यकर्ता भ्रमित न हों, कांग्रेस बना रही सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना 3 दिसंबर को होगी। इससे पहले एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए हैं। इन पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, भाजपा स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बना रही है। वहीं, नरसिंहपुर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल बोले- हम 2003 को दोहराएंगे। दूसरी ओर, कांग्रेस की तरफ से भी चुनाव जीतने के दावे किए जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे एक्जिट पोल से भ्रमित न हों, हम सरकार बना रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस को 130 सीटें मिलने की बात कही है।

हालांकि, अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। सभी सर्वे एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स में पब्लिक का मूड बताने की कोशिश की है। इनके अनुसार, भाजपा को 105 से 130 जबकि कांग्रेस को 97 से 125 सीटें मिलती दिख रही हैं।

शिवराज का भरोसा- लाड़ली बहनों ने कांटे निकाल दिए

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मध्यप्रदेश में कांटे की टक्कर नहीं है। भारतीय जनता पार्टी भारी बहुमत से जीतेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता का प्रेम, उनका नेतृत्व, अमित शाह की रणनीति, जेपी नड्डा का मार्गदर्शन, पार्टी कार्यकर्ताओं का परिश्रम और प्रदेश सरकार की जनता की जिंदगी बदलने वाली योजनाओं पर हमें भरोसा है। उन्होंने कहा- लाड़ली बहनों ने सभी कांटे निकाल दिए। कोई कांटा बचा ही नहीं। मैंने ऐसा चुनाव नहीं देखा। पहले हम देखते थे कि पुरुषों की भीड़ होती है, लेकिन इस बार उनसे ज्यादा बहनें-बेटियां वोट देने आई थीं। बहनों का जो प्यार मिला, वह अभूतपूर्व है।

पटेल ने कहा- हम 2023 में 2003 की जीत दोहराएंगे

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने ओरछा में कहा, मैं कहता रहा हूं कि मध्यप्रदेश में 2003 की तरह नतीजे आएंगे। उस समय हम विपक्ष में थे। अभी सत्ता में हैं। उन्होंने कहा- रामराजा सरकार के आशीर्वाद की हम कामना करते रहे हैं। जो कांग्रेस उनके अस्तित्व को नकारती रही, वह कितने ही रास्ते अपनाए लेकिन उसकी वास्तविकता जनता जानती है। मैं मानता हूं कि 3 दिसंबर का इंतजार करना चाहिए, लेकिन यह अनुकूलता गौरवान्वित करती है। भाजपा में अटकलबाजी से राजनीति नहीं होती। हम 2023 में 2003 को दोहराएंगे।

पूरा ध्यान मतगणना के दिन पर लगाएं: कमलनाथ

कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को मैं उनका बल याद दिलाना चाहता हूं। आप लोग कांग्रेस की शक्ति हैं और आपकी मेहनत और समर्पण से ही जनता ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन में जमकर वोट डाला है। 3 दिसंबर को जब मतगणना शुरू होगी तो कांग्रेस की सरकार पर जनता की मोहर लग जाएगी। मैंने हमेशा आपसे कहा है कि देश विजन से चलता है, टेलीविजन से नहीं। बहुत से एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनती हुई दिखाई दी है जबकि कुछ एग्जिट पोल अन्य तरह की बात कर रहे हैं। आपको इस सबसे अपना ध्यान भटकने नहीं देना है। अर्जुन की तरह आपको निगाहें सिर्फ अपने लक्ष्य पर रखनी है। आपको अपना पूरा ध्यान मतगणना के दिन पर लगाना है और यह सुनिश्चित करना है कि कांग्रेस को मिला एक-एक वोट सही से गिना जाए और प्रदेश में प्रचंड बहुमत से कांग्रेस की सरकार बने।

दिग्विजय सिंह बोले- शिवराज से ऊब चुके लोग

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा, एग्जिट पोल के नतीजे इतने डायवर्स हैं कि इन पर कुछ कह नहीं सकते। इतना कह सकता हूं कि मध्यप्रदेश में 130 से ज्यादा सीटें कांग्रेस पार्टी को मिलेंगी। स्पष्ट बहुमत मिलेगा। लोगों की भावना बदलाव की थी। इसी बदलाव का वोट मिलेगा। इस बार जनता चुनाव लड़ी है। कांग्रेस का छोटा कार्यकर्ता चुनाव लड़ा है। लोग शिवराज सिंह चौहान और उनके झूठे-वादों से ऊब चुके हैं।

मप्र में 7 साल बाद एक साथ 13 आईपीएस अफसर जनवरी में बनेंगे आईजी

भोपाल। प्रदेश में लगभग 7 साल बाद आईजी के पद पर सूखा खत्म होने जा रहा है। प्रदेश में एक साथ 13 आईपीएस अफसर आईजी के पद को एक जनवरी को मिलने जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश में आईजी रैंक के अफसरों की संख्या दो दर्जन पार हो जाएगी। इससे पहले करीब 2016 तक इतने पद भरे हुए थे। इसके बाद धीरे-धीरे इन पदों पर अफसरों की संख्या कम होती गई।

एक जनवरी को वर्ष 2006 बैच के आईपीएस अफसर डीआईजी से पदोन्नत होकर आईजी के पद पदोन्नत होने जा रहे हैं। इन अफसरों की संख्या 13 होगी। प्रदेश में अभी 15 अफसर आईजी के पद पर पदस्थ हैं। इनमें से दो अफसर अब एडीजी के पद पर पदोन्नत होने जा रहे हैं। वर्ष 2000 से 2005 बैच के 13 अफसर जहां आईजी के पद पर पदस्थ रहेंगे। वहीं वर्ष 2006 बैच के अफसर आईजी के पद पर पदोन्नत होने जा रहे हैं। इनकी भी संख्या 13 होगी। ऐसे में प्रदेश में लंबे अरसे बाद इस पद पर 26 अफसर पदस्थ होंगे।

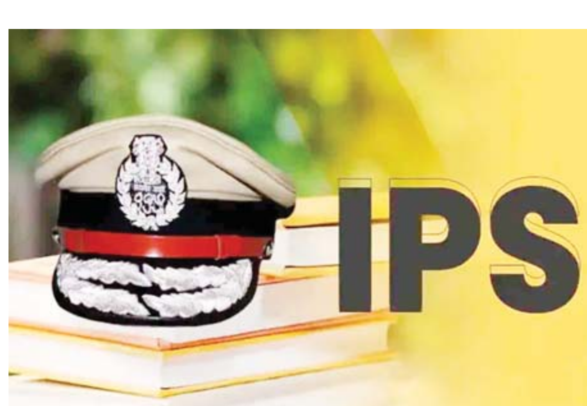

ये अफसर हो जाएंगे रिटायर- आईजी के पद पर 26 अफसरों की संख्या सिर्फ जनवरी के महीने में ही रहेगी। इंदौर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनीष कपूरिया 31 जनवरी को रिटायर हो जाएंगे तो यह संख्या घटकर एक कम हो जाएगी। कपूरिया के बाद जून 2024 में आरआरएस परिहार रिटायर होंगे और इसी साल के अक्टूबर में राजेश हिंगणकर भी रिटायर हो जाएंगे। यानि यह संख्या नवम्बर में घटकर 23 पर पहुंच जाएगी। हालांकि इसके बाद भी इनती संख्या में आईजी के पद प्रदेश पुलिस में अरसे बाद पदस्थ रहेंगे।

कम संख्या के कारण एडीजी को दिया था रेंज का प्रभार- प्रदेश में जब आईजी रेंक के अफसरों की संख्या कम होना शुरू हुई तो उनकी जगह का काम एडीजी रेंक के अफसरों से करवाने का क्रम शुरू हुआ। इसके चलते एडीजी रेंक के अफसरों को रेंज में पदस्थ किया गया। हालात यह बने ही भोपाल और इंदौर में पुलिस कमिश्नर का पद कॉडर में आईजी रेंक का मिला, लेकिन यहां भी एडीजी रेंक के अफसर ही पदस्थ हुए। भोपाल के पहले पुलिस कमिश्नर एडीजी मकरंद देउस्कर बने थे। अब देउस्कर इंदौर पुलिस कमिश्नर हैं।

90 बैच तक के अफसर एडीजी- आईजी के पद पर अफसरों की कमी होने के चलते एडीजी के पद पर अफसरों की संख्या बढ़ गई थी। प्रदेश में अभी वर्ष 1990 से वर्ष 1999 तक के 34 अफसर एडीजी के पद पर पदस्थ हैं। हालांकि इसमें से अब वर्ष 1999 बैच के दो अफसर एडीजी हो जाएंगे। जबकि 1990 बैच के अशोक अवस्थी बुधवार को ही एडीजी से स्पेशल डीजी बने हैं। यानि फिलहाल प्रदेश में एडीजी रेंक के अफसरों की संख्या 33 है।

इसलिए अस्थाई तौर पर डीजी के बढ़े थे दो पद- एडीजी रेंक पर अफसरों की संख्या ज्यादा होने के चलते डीजी के दो पद अस्थाई तौर से राज्य शासन को बढ़ाने पड़े थे। प्रदेश में जब ऋषि कुमार शुक्ला डीजीपी थे, उस वक्त दो साल के लिए डीजी के दो अस्थाई पद बढाए गए थे। बाद में फिर से दो पद बढ़ाए गए। प्रदेश में डीजी के पांच पद कॉडर के हैं, जबकि पांच पद एक्स कॉडर के हैं। इनके अलावा दो अस्थाई पद हैं। इस तरह से प्रदेश में डीजी रेंक के 12 अफसर पदस्थ हैं।